शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 68 | गुवाहाटी | शनिवार, 5 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर पीएम मोदी की सीसीएस के साथ बैठक पेज 2
प्रशासनिक सुधारों को नई गति देते कई सम जिलों का उद्घाटन पेज 3
स्वच्छता सिर्फ बाहरी नहीं, हमारे विचारों में भी होनी चाहिए : राष्ट्रपति पेज 5
मणिपाल टाइगर्स ने सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद को हराया पेज 7

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था गरीबी से बाहर निकले 25 करोड़ लोग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। आज भारत जीडीपी के हिसाब से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम वैश्विक फिनटेक अपनाने की दर के मामले में नंबर वन हैं। आज हम स्मार्टफोन डेटा खपत के मामले में नंबर वन हैं। उन्होंने कहा कि आज, वैश्विक आपातकाल के बीच, हम यहां *भारतीय युग* के बारे में चर्चा कर रहे हैं... इससे पता चलता है कि दुनिया भारत पर कितना भरोसा करती है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती और 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। फिनटेक अपनाने की दर के मामले में, हम शीर्ष देश के रूप में खड़े हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक वास्तविक समय लेनदेन का आधा हिस्सा भारत में होता है। भारत दोपहिया वाहनों और ट्रैक्टरों का सबसे बड़ा निर्माता है, और मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। उन्होंने कहा कि *सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन* हमारा मार्गदर्शक मंत्र है। जब लोगों का जीवन बदल जाता है, तो वे अपने देश में विश्वास करना शुरू कर देते हैं। फिर वही बात उनके जनादेश के माध्यम से परिलक्षित होती है। 140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही हमारी ताकत है। हम भारत की भलाई के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने कहा कि हमारा कमिटमेंट है कि भारत को विकसित बनाने के लिए लगातार संरचनात्मक सुधार करते रहेंगे। भारत में विकास के साथ समावेशन भी हो रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले 10 साल में 250 मिलियन... यानि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि *समावेशी भावना* भारत की विकास गाथा का एक और उल्लेखनीय कारक है। अब, भारत में, विकास के साथ-साथ समावेशन भी होता है। परिणामस्वरूप, पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारत की वृद्धि का लाभ सभी को मिले। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक नेता और वित्तीय विशेषज्ञ भारत की वृद्धि को लेकर आशावादी हैं। निवेशकों का मानना है कि यह भारत में निवेश करने का सही समय है। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले दशक में भारत में हुए सुधारों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नौकरियां, कौशल, सतत विकास और निरंतर तेजी से विस्तार पर मोदी 3.0 का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि कारोबार करने को सरल बनाने के लिए अनुपालन बोझ को कम किया, कंपनी कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए हम पीएलआई (प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव) लाए। पीएलआई के कारण 1.25 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में अब 200 से अधिक स्टार्टअप हैं।

असमिया को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता मिलने पर राज्य सरकार ने केंद्र का जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सरकार द्वारा असमिया को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने को लेकर राज्य में भारी उत्साह देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असमिया समेत पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की है। केंद्र सरकार के इस फैसले को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि प्राणों से प्यारी *असमिया भाषा* को शास्त्री भाषा का दर्जा मिलना मन को खुशी से भर देता है। शायद आप सभी भी उसी भावना से धन्य हैं। असम के लोगों की ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्र सरकार को असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस स्थिति ने हमारी प्राचीन भाषा को एक सौंदर्य आभूषण बना दिया है। इस ऐतिहासिक निर्णय से हम अपनी प्यारी मातृभाषा को विश्व पटल तक ले जा सकेंगे। भाषा के संरक्षण के लिए निश्चित रूप से हम और अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

चिरांग के नए डीसी बने जतिन बोरा

चिरांग। जतिन बोरा, एसीएस (डीआर : 95), चिरांग जिले के नए डिप्टी कमिश्नर बने हैं। उन्होंने आज शाम 4 बजे निवर्तमान चिरांग डीसी, पी विजय भास्कर रेड्डी, आईएएस (आरआर : 15) से कार्यभार संभाला। अपनी वर्तमान पोस्टिंग से पहले, उन्होंने कोकराझार में बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के सचिव के रूप में कार्य किया। पी विजय भास्कर रेड्डी को असम सरकार, परिवर्तन और विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव की भूमिका में स्थानांतरित किया गया है, और वे अतिरिक्त क्षमता में एसआईटीए के सीईओ के रूप में भी काम करेंगे।

एससी ने असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को मटिया ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह विदेशियों के लिए बने मटिया ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण कर वहां की स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता आदि की जांच करे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को निर्देश दिया कि वे उचित अधिकारियों को नामित करें, जो बिना किसी पूर्व सूचना के शिविर का दौरा कर स्वच्छता की जांच करें। शीर्ष अदालत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को आज से एक महीने के भीतर निरीक्षण के बाद रिपोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सिंह भूखा होने पर भी तिनका नहीं खाता।
- आचार्य चाणक्य

सरकार ने ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटा दिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि असम में, हम वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सफलता की एक नई कहानी लिख रहे हैं। हमेशा की तरह संदिग्धों के विरोध के बावजूद, हमने ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। उन्होंने लिखा कि ओरांग राष्ट्रीय उद्यान का क्षेत्रफल अब कई गुना बढ़ गया है और यह काजीरंगा और बुढ़ाचापोरी वन्यजीव अभयारण्य से सीधे जुड़ गया है, जिससे जानवरों के पनपने के लिए 180 किलोमीटर -शेष पृष्ठ दो पर

कमलेश सिंह के योगदान से झारखंड में परिवर्तन को बल मिलेगा : हिमंत

रांची (हि.स.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष व हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। उनके साथ सैकड़ों समर्थकों ने भी भाजपा की सदस्यता ली। मौके पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा के सदस्य के रूप में पूर्व से ही कमलेश सिंह रहे हैं। आज केवल तकनीकी औपचारिकता पूरी हुई है। धीरे-धीरे समय आ रहा है, चुनाव की घोषणा होगी। कमलेश से आग्रह है कि सबको साथ लेकर चलें। इस बार झारखंड में पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। सबका विश्वास हो तो परिवर्तन को कोई रोक नहीं सकता है। कमलेश के योगदान से परिवर्तन को बल मिलेगा। विकास के मापदंड पर प्रथम पांच राज्यों में झारखंड को ले जाना है। शर्मा ने कहा कि हमारे सामने बहुत बड़ा युद्ध है। इस युद्ध में कैसे हम जीत हासिल करें, यह संगठन में काम करने वाला एक-एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी बनती है। हम पार्टी को सहयोग करें। हमें अपनी पसंद और नापसंद से ऊपर उठकर यह देखना चाहिए कि झारखंड को विकास की राह पर और अंधकार युग से बाहर ले जाने के लिए झारखंड में भाजपा की सरकार की जरूरत है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए हर एक कार्यकर्ता के सहयोग की जरूरत है। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान का दौरा करेंगे विदेश मंत्री जयशंकर

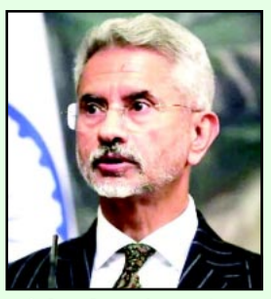

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने शुक्रवार को एक संबोधन के दौरान इसकी पुष्टि की है। इस बार एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। यह बैठक 15-16 अक्तूबर को होगी। अपने संबोधन में रणधीर जयसवाल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अन्य सभी सदस्य देशों को निमंत्रण देना एक प्रोटोकॉल है जिसका पालन कोई भी मेजबान देश करता है। पाकिस्तान ने भी ऐसा ही किया है। मैं इसे एक राजनीतिक स्टंट के रूप में नहीं देखता हूं। हालांकि, मैं प्रधानमंत्री मोदी को इसमें शामिल होते नहीं देखता हूं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दंतेवाड़ा में बड़ी मुठभेड़, 30 नक्सली मारे गए

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। पुलिस के साथ मुठभेड़ में अब तक 30 नक्सली मारे गए। इनमें से 7 के शव और बड़ी संख्या में स्वचालित हथियार बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ अभी भी जारी है। मिली -शेष पृष्ठ दो पर

नित्य शाखा से ही समाज के लिए योग्य व्यक्ति निर्मित होंगे : भागवत

बारां/कोटा (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चार दिवसीय चित्तौड़ प्रांत के प्रवास के अंतर्गत बारां में हैं। डॉ. भागवत शुक्रवार को प्रातः बारां शहर के मांगरोल रोड स्थित प्राचीन प्यारेराम जी मंदिर में देवदर्शन के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने दर्शन उपरांत मंदिर के इतिहास के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि मंदिर का इतिहास तीन शताब्दी पुराना है। यहां महंत प्यारेराम ने -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड के सरकारी सिस्टम पर साइबर हमला सीएम हेल्पलाइन समेत 186 वेबसाइट्स हैक

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड में एक बड़े साइबर हमले ने राज्य के सरकारी सिस्टम को हिलाकर रख दिया। साइबर हमले के चलते प्रदेश का पूरा आईटी सिस्टम 72 घंटे ठप रहा। इससे सरकारी कामकाज पर असर पड़ा। राज्य की कई महत्वपूर्ण वेबसाइटें और सेवाएं पूरी तरह से बंद हो गईं। इनमें सीएम हेल्पलाइन, भूमि रजिस्ट्री और ई-ऑफिस जैसे महत्वपूर्ण प्लेटफार्म शामिल हैं। सचिवालय समेत अन्य विभागों में भी कामकाज नहीं हो पाया। आईटीडीए के अनुसार इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल राज्य का डाटा सेंटर बंद हैं और वेबसाइटों की स्कैनिंग की जाएगी। जानकारों के अनुसार साइबर हमला इतना खतरनाक था कि सिक्योर इंटरनेट सर्विस यूके स्वान के अलावा सबसे अहम स्टेट डाटा सेंटर भी इसकी जद में आ गया। देखते ही देखते एक के बाद एक सरकारी वेबसाइटें बंद होती चलीं गईं। इसका असर सभी 186 वेबसाइटों पर देखने को मिला है, जिनका कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। अभी कुछ वेबसाइट को सुचारु किया गया है। बाकी अन्य को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

एससी ने खारिज की केस को जल्द निपटाने की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में लंबित एक निष्पादन याचिका को लेकर कहा कि न्यायाधीशों पर अत्यधिक बोझ है। इस कथन के साथ अदालत ने इसके समयबद्ध निपटारे की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस अभय एस ओका और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट में 92 जजों की स्वीकृति है, लेकिन फिलहाल यहां केवल 64 जज हैं। हर न्यायाधीश -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र विस के डिप्टी स्पीकर मंत्रालय की बिल्डिंग से कूदे

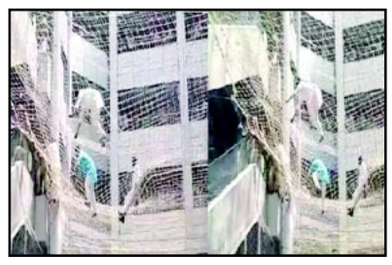

मुंबई। मुंबई स्थित राज्य सचिवालय में शुक्रवार को उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई जब महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि झिरवाल सहित कुछ आदिवासी नेता धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने का विरोध करने के लिए मंत्रालय में बने सुरक्षा जाल पर कूद गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों में राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के दो विधायक और एक सांसद शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

ट्राई का फिर चला डंडा, 18 लाख नंबरों को किया बंद

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फर्जी कॉल्स और मैसेज पर लगाम लगाने के लिए कई कड़े नियम लागू किए हैं। अब यूजर्स को आने वाले फर्जी कॉल और मैसेज को ऑपरेट लेवल पर ही ब्लॉक कर दिया जाएगा। ट्राई ने एक बार फिर स्कैमर्स पर कड़ा प्रहार करते हुए 18 लाख से ज्यादा मोबाइल नंबरों और 680 एंटिटीज को पिछले 45 दिनों में ब्लॉक कर दिया है। ट्राई ने अपने एक्स हैंडल से यह जानकारी शेयर की है। दूरसंचार नियामक ने अपने एक्स पोस्ट में बताया है कि सर्विस प्रोवाइडर्स को स्पैमर्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसकी वजह से पिछले 45 दिनों में 680 एंटिटीज को ब्लैक-लिस्ट किया गया है। साथ ही, 18 लाख मोबाइल नंबर की सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इससे पहले भी दूरसंचार नियामक ने लाखों मोबाइल नंबर को स्कैम एक्टिविटी में लिप्त होने की वजह से बंद किया था। अब तक दूरसंचार नियामक 1 करोड़ से ज्यादा मोबाइल नंबर पर एक्शन ले चुका है और उनकी सर्विस खत्म कर चुका है। पिछले महीने भी दूरसंचार नियामक ने सख्ती दिखाते हुए 3.5 लाख मोबाइल नंबर बंद कर दिए थे। डीओटी और ट्राई मिलकर यूजर्स को स्पैम फ्री सर्विस क्वालिटी देने के लिए लंबे समय से प्रयासरत हैं। ट्राई ने टेलीकॉम ऑपरेटर्स -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल ने हिजबुल्लाह के सभी शीर्ष कमांडरों का कर दिया सफाया

यरुशलम। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष में हिजबुल्लाह के लगभग सभी शीर्ष कमांडरों का सफाया हो चुका है। इजरायली सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हार्जी हलेवी ने कहा है कि हिजबुल्लाह के एक भी कमांडर को बख्शा नहीं जाएगा। इजरायली ऑपरेशन में हिजबुल्लाह के कई प्रमुख कमांडर मारे जा चुके हैं, जिनमें हाल ही में हाशिम सफीद्दीन का नाम भी शामिल है। शुक्रवार को इजरायल की हवाई बमबारी में सफीद्दीन की मौत की पुष्टि की गई, जो हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। सफीद्दीन और नसरल्लाह आपस में ममेरे भाई थे, और नसरल्लाह की मौत के बाद सफीद्दीन का हिजबुल्लाह का अगला प्रमुख बनना लगभग तय था। लेकिन इससे पहले कि यह औपचारिक घोषणा हो पाती, इजरायली सेना ने उसे मार गिराया। सफीद्दीन की हत्या तब हुई जब वह बेरूत में एक अंडरग्राउंड बंकर में सीक्रेट मीटिंग कर रहा था। 27 सितंबर को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर पीएम मोदी की सीसीएस के साथ बैठक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान के इजराइल पर हमला किए जाने के बाद से ही तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मध्य पूर्व क्षेत्र में नए सिरे से पैदा हुए तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल गुरुवार को सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठक की। सूत्रों ने बताया कि वहां पर बढ़ते तनाव और इससे भारत पर पड़ने वाले संभावित असर पर चर्चा की गई। कैबिनेट की बैठक से पहले सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी की अगुवाई में हुई बैठक में पश्चिम एशिया में गहराते संकट और उसके भारत पर संभावित असर को लेकर चर्चा की गई। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते संकट की वजह से भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति पर असर पड़ने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इससे भारत से होने वाले व्यापार पर भी असर पड़ सकता है। भारत मध्य पूर्व क्षेत्र में गहराते विवाद और बढ़ती जंग पर अपनी चिंता जता चुका है और उसने संबंधित पक्षों को संयम बरतने का अनुरोध भी किया है। भारत ने अपने बयान में कहा है कि इस टकराव को व्यापक रूप नहीं लेना चाहिए। साथ ही उसने सभी मसलों को बातचीत और कूटनीति के जरिए सुलझाने का भी आह्वान किया है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने बुधवार को इमरजेंसी बैठक बुलाई। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि उनके देश ने इजराइल पर करीब 200 मिसाइलें दागी, ताकि इजराइल की हिंसा को रोका जा सके। इसके इतर इजराइली राजदूत ने इस हमले को आक्रामकता का अभूतपूर्व कृत्य करार दिया। ईरान के हमले के बाद इजराइल ने भी बदला लेने की बात कही है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया। फिलहाल इजराइल दो मोर्चों पर आतंकवादियों से जूझ रहा है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी स्तर पर निपट रहा है तो गाजा पट्टी में भी लगातार हमले कर रहा है। गाजा में इजराइली हमले में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में बच्चे और औरतें भी शामिल हैं।

कांग्रेस युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर युवाओं को नशे के मामले में गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने दिल्ली में ड्रग्स की पकड़ी गई खेप में एक कांग्रेस नेता का शामिल होने का आरोप लगाते हुए इसे शर्मनाक और खतरनाक करार दिया। बता दें कि बुधवार को दिल्ली पुलिस ने 5,600 करोड़ रुपए की ड्रग्स राष्ट्रीय राजधानी से जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी तुषार गोयल ड्रग्स सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश आरटीआई प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बताया गया है। हालांकि, भारतीय युवा कांग्रेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि तुषार गोयल को पार्टी विरोधी गतिविधियों की वजह से 17 अक्तूबर, 2022 को निष्कासित कर दिया गया था। अमित शाह ने सोशल साइट एक्स पर ट्वीट कर कहा कि एक ओर जहां नरेंद्र मोदी सरकार पूरे देश में नशामुक्त भारत को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। वहीं दूसरी ओर, उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 करोड़ रुपए की खेप पकड़ी गयी है। इसमें कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता पाई गई है, जो बहुत ही खतरनाक और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान ड्रग्स से हरियाणा, पंजाब और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जैसा हाल हुआ है। उसे सभी लोगों ने देखा है। पीएम नरेंद्र मोदी सरकार युवाओं को शिक्षा, खेल और इनोवेशन की ओर से प्रेरित कर रही है, लेकिन कांग्रेस उन युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता की ओर से अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंका जा रहा है। यह पाप है। उनके इरादों को पीएम मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी। अमित शाह ने कहा कि उनकी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या उनका कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश करेगी और *नशामुक्त भारत* बनाने का संकल्प लेती है। अमित शाह ने कहा कि अभी-अभी दो दिन पहले 5600 करोड़ का ड्रग्स पकड़ा गया। नकली दवाएं दिल्ली पुलिस ने पकड़ी है। इसमें इंटरनेशल ड्रग्स सिंडिकेट को पर्दाफाश करने का काम किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 से ड्रग्स फ्री इंडिया अभियान शुरू किया है। कांग्रेस की सरस्कार थी तो 2004 से 2024 तक 10 सालों में एक लाख 52 हजार किलो ड्रग्स पकड़े गए थे। 2014 से 2024 तक के शासन में पांच लाख 43 हजार 600 किलो ड्रग्स पकड़ने का काम पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में 468 करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स पकड़े गए। वहीं, नकली दवाओं को पकड़ने के अभियान में 27,600 करोड़ का ड्रग्स पकड़ने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया। मैं सोचता था कि इतना बड़ा अंतर कैसा आया?

मोइराबाड़ी में ड्रग्स के नशे में अपने घर को जलाया

मोरीगांव (हिंस)। मोइराबाड़ी के एक युवक ने नशे की वजह से अपना सब कुछ गंवाने के बाद आखिरकार अपने घर में ही आग लगा लिया। युवक की पहचान रफीकुल इस्लाम उर्फ टेंपो के रूप में हुई है। यह घर मोइराबाड़ी हाई स्कूल तिनाली के पास है। रफीकुल उर्फ टेंपू ने बीती रात अपने घर में आग लगा दी, क्योंकि वह ड्रग्स नहीं ले पा रहा था। इसके बाद टेंपो फरार हो गया। बाद में जब वह घर आया तो स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर नशा मुक्ति केंद्र को सौंप दिया।

बुढ़ीदिहिंग नदी में डूबा दिव्यांग युवक

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान में बुढ़ीदिहिंग नदी में एक दिव्यांग युवक के डूब जाने को लेकर अफ़रा-तफ़री मची हुई है। जानकारी के अनुसार बिटुपन गोगोई नामक युवक 30 अक्तूबर की शाम को उस समय से लापता है, जब वह साइकिल पर अपने घर से बाजार गया था। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसी रात बुढ़ीदिहिंग नदी के किनारे से बिटुपन की साइकिल बरामद की। इसके बाद से पुलिस एसडीआरएफ बलों की मदद से नदी के किनारे युवक की तलाश कर रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उल्लेखनीय है कि बिटुपन गोगोई दुलियाजान में मृणालज्योति पूनर्वास केंद्र का बेहद प्रतिभाशाली छात्र है। चित्रकला में वह निपुण है। बिटुपन गोगोई के अचानक गायब होने से परिवार के साथ-साथ स्कूल के शिक्षकों और छात्रों में भी उदासी छा गई है।

पूसीरे के प्रमुख स्टेशनों पर चल रहे 16 रेल कोच रेस्टोरेंट

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों को भोजन का अद्वितीय माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने प्रमुख स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट खोल रहा है। सर्कुलेटिंग क्षेत्र के रिक्त स्थान पर इन रेस्टोरेंट्स को रणनीतिक रूप से खोला गया है, ताकि रेल यात्रियों के साथ-साथ आम जनता को भी भोजन करने का अवसर मिल सके। पूसीरे ने बेकार पड़े अपने कुछ सवारी कोच, जो ट्रेन परिचालन के लिए अनुपयुक्त हैं, कोच रेस्टोरेंट में बदला है। इन रेल कोच रेस्टोरेंट्स ने यात्रियों और जनता के बीच लोकप्रियता हासिल की है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि रेल यात्रियों और आम जनता को भोजन का अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिए इस समय पूसीरे के प्रमुख स्टेशनों पर 16 कोच रेस्टोरेंट चल रहे हैं। कटिहार मंडल के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी एवं कटिहार स्टेशनों पर दो-दो कोच रेस्टोरेंट, दार्जिलिंग, जोगबनी, फारबिसगंज, सिलीगुड़ी, पूर्णिया एवं मालदा कोर्ट स्टेशनों पर एक-एक कोच रेस्टोरेंट स्थापित किए गए हैं। अलीपुरद्वार मंडल में कोकराझाड़, राजा भात खावा और न्यू कोचबिहार स्टेशनों पर एक-एक कोच रेस्टोरेंट चल रहा है।

केंद्र सरकार अगर मदद न करे तो एक भी दिन प्रदेश सरकार नहीं चलेगी : नड्डा

बिलासपुर (हि.स.)। केंद्र में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद शुक्रवार को पहली बार अपने जिला बिलासपुर पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण व रसायन मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि विकास के मामले में भाजपा नंबर वन है। हिमाचल में कोई विकास का पत्थर है तो उस पर भाजपा का निशान ही मिलेगा। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि मंडी, हमीरपुर, चंबा, सिरमौर में मेडिकल कॉलेज, मदर और चाइल्ड केयर नूरपुर सुंदरनगर टांडा, सुपर स्पेशलिटी हस्पताल शिमला, कैंसर सेंटर शिमला, पीजीआई ऊना, बिलासपुर एम्स, हाइड्रो इंजीनियर कॉलेज, तीन सीमेंट फैक्ट्री, बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क ये सब भाजपा ने स्थापित किया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही हिमाचल प्रदेश और देश का भविष्य उज्ज्वल है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जहां भी होती है, वहां जातिवाद, अलगावाद, राष्ट्रीय विरोधी तत्व विराजमान होते हैं। कांग्रेस का काम भाई को भाई, मजहब को मजहब से लड़ने का है, तुष्टिकरण, भाई भतीजावाद की राजनीति कांग्रेस पार्टी करती है। कांग्रेस है तो भ्रष्टाचार है, ड्रग का कारोबार बढ़ता है, देश में 5600 करोड़ की ड्रग्स में कांग्रेस का नेता संलिप्त पाया गया है। इससे हरियाणा पंजाब हिमाचल खतरे में है। ड्रग्स का कारोबार तो हिमाचल की धरती पर भी है, कांग्रेस पार्टी जहां भी आएगी वहां ड्रग्स का कारोबार बडेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका, चीन, ऑस्टेलिया, जापान की आर्थिक स्थिति चरमरा रही है। हम 11वीं से 5वीं अर्थव्यवस्था बन गए हैं और आने वाले तीन साल में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारत को अनपढ़ों का देश कहती थी। इंटरनेट से जनता को दूर रखना चाहती थी। आज आधार जन धन ने कांग्रेस का भ्रष्टाचार का तंत्र समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने जो प्रदेश को जो भाजपा ने दिया था वो भी ले लिया। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के नेता सपने दिखा कर वोट लेते थे और चुनाव समाप्त होते ही सपने भी समाप्त हो जाते थे। नड्डा ने कहा कि हिमाचल में सौ फीसदी भ्रष्ट सरकार चल रही है। सुक्खू सरकार की बुद्धि और मति दोनो भ्रष्ट हो चुकी है। इन्होंने तो टायलेट पर भी टैक्स लगा दिया। ऐसी कांग्रेस सरकार को प्रदेश में रहने का हक नहीं। मोदी सरकार ने हिमाचल को 93 हजार आवास योजना में घर दिए, कांग्रेस सरकार कोई भी हिसाब नहीं देती। नड्डा ने मुख्यमंत्री पर निशाना लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू की दो भाषाएं हैं। चुनाव में कहते है कि हिमाचल को केंद्र से कुछ नहीं मिला और दिल्ली में सरकार का धन्यवाद कर कहते हैं, सब किस मिल रहा है।

पूर्व विधायक जितेन गोगोई असम जातीय परिषद में हुए शामिल

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखात के पूर्व विधायक जितेन गोगोई आज असम जातीय परिषद में शामिल हो गए। गोगोई ने आज दोपहर बोकाखात नाट्यमंदिर में पार्टी की सदस्यता के लिए 10 रुपए का फॉर्म भरकर जातीय परिषद के सदस्य के रूप में पदभार संभाला। असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुइयां ने गोगोई का पार्टी में स्वागत किया। गोलाघाट निर्माण समूह, नामक संगठन का नेतृत्व जितेन गोगोई कर रहे थे। संगठन के सभी सदस्य आज असम जातीय परिषद में शामिल हो गए। गोलाघाट निर्माण समूह की 21 क्षेत्रीय समितियों का भी आज राष्ट्रीय परिषद में विलय हो गया। राष्ट्रीय परिषद में आज से गोलाघाट निर्माण समूह का अस्तित्व समाप्त होने की घोषणा करते हुए पूर्व विधायक जितेन गोगोई ने कहा कि अब से निर्माण समूह के सभी सदस्य जातीय सेवक के रूप में जाने जाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

असमिया को शास्त्रीय ...

जिम्मेदार होंगे। ये सम्मान उस समाज के लिए है जो हमारी विविधता में एकजुट है; ये सम्मान असम के महापुरुषों, विचारकों, साहित्यकारों, दार्शनिकों, ज्ञान के संतों और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए है। असमिया भाषा और संस्कृति को बचाने के लिए, पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्होंने सैकड़ों-हजारों बलिदान दिए हैं। वास्तव में आज मेरे जीवन के सबसे खुशी के दिनों में से एक है। उन्होंने कहा है कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि असमिया के साथ-साथ बंगाली को भी शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी गई है। वर्षों से, दुनिया भर में करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाने वाली बंगाली भाषा ने कई हस्तियों को प्रेरित किया है और भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। असम में कई लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा के रूप में, एक ही दिन असमिया और बंगाली दोनों को शास्त्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता मिलना हमारे लिए दोहरी खुशी की बात है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर सभी बंगालियों को मेरी शुभकामनाएं। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। सोनोवाल ने कहा कि हर असमिया के लिए एक ऐतिहासिक क्षण! केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सैकड़ों वर्षों की विरासत से भरी अद्वितीय असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दे दी। केंद्रीय राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि प्रत्येक असमिया को बधाई और प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, असम प्रकाशन परिषद और प्रत्येक जाति अनुष्ठान के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मातृभाषा हजारों वर्षों से शक्तिशाली और सदाबहार रही है और उन पूर्वजों की सेवा करती है जिन्होंने इसे वर्तमान स्तर पर लाया है। राज्य सरकार की सत्ता में साझीदार असम गण परिषद (अगप) ने केंद्रीय कैबिनेट के इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री समेत सभी उन लोगों का आभार जताया है जिन्होंने असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए अपना प्रयास किया है। इस बीच असम जातीय परिषद (अजाप) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुइंया ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि असम साहित्य सभा समेत राज्य के सभी बौद्धिक समाज द्वारा असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में दर्जा देने की मांग करते हुए आ रहे थे जो अब पूरा हो गया है। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सूर्य कांत हजारिका, पूर्व अध्यक्ष डॉ. कुलधर सैकिया, उपाध्यक्ष डॉ. गिरीश हैंडिक ने भी केंद्र सरकार के इस कदम को ऐतिहासिक करार दिया है।

एससी ने असम राज्य ...

दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई 4 नवंबर को निर्धारित की गई है। असम में घोषित विदेशियों के लिए बनाए गए एक हिरासत केंद्र की *दुखद स्थिति* पर चिंता जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 26 जुलाई को कहा था कि वहां पर्याप्त पानी की आपूर्ति, उचित शौचालय और स्वच्छता की व्यवस्था नहीं है। पीठ, जो विदेशी घोषित किए गए लोगों के निर्वासन और असम में हिरासत केंद्रों में प्रदान की गई सुविधाओं से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, ने कहा कि रिपोर्ट में भोजन और चिकित्सा सहायता की उपलब्धता के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। न्यायालय ने असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को निर्देश दिया था कि वे केंद्र में आपूर्ति किए जाने वाले भोजन की मात्रा और गुणवत्ता की जांच के लिए एक बार और दौरा करें, साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि रसोईघर में साफ-सफाई बनी हुई है या नहीं और और चिकित्सा तथा मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। 16 मई को मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्र को मटिया के डिटेंशन सेंटर में बंद घोषित 17 विदेशियों को वापस भेजने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि प्राथमिकता उन चार लोगों को वापस भेजने की होनी चाहिए, जिन्होंने डिटेंशन सेंटर में दो साल से ज्यादा समय बिताया है। याचिका में असम सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए गए किसी भी व्यक्ति को तब तक हिरासत में न रखे, जब तक कि वह निकट भविष्य में संभावित निर्वासन का सबूत न दिखा दे।

सरकार ने ओरांग राष्ट्रीय...

लंबा एक निर्बाध संरक्षित क्षेत्र बन गया है। शर्मा ने कहा कि यह विशाल क्षेत्र अब वनस्पतियों और जीवों के विविध रूपों को संजोये रखेगा और असम को जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। ओरांग राष्ट्रीय उद्यान राज्य के दरांग और सोनितपुर जिलों में ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। एक सींग वाले गैंडे और रॉयल बंगाल टाइगर सहित विभिन्न जानवरों के लिए प्रसिद्ध यह उद्यान 79.28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। ओरांग को 1985 में एक अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और 13 अप्रैल, 1999 को इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया। काजीरंगा और ओरांग दोनों में दलदल, नदियां और घास के मैदान एक जैसे हैं और यहां एक जैसे वन्यजीव रहते हैं।

कमलेश सिंह के ...

2005 में सत्ता संकट थी। सरकार में रहते हुए कमलेश सिंह ने भाजपा का साथ दिया। भाजपा ने जब आवाज दी, तब कमलेश साथ देने के लिए तैयार रहे। उनके आने से झारखंड में भाजपा को नई ऊर्जा पर ताकत मिलेगी। एनसीपी से बात करके ही कमलेश भाजपा ज्वाइन किए हैं। भारतीय जनता पार्टी में सभी का स्वागत है। जो संगठन के कार्यकर्ता हैं, वे बड़े लक्ष्य को देखें। झारखंड को मुश्किल से निकालना है। विधायक कमलेश सिंह ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी से जुड़कर गर्व महसूस हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। झारखंड की तस्वीर और तकदीर भाजपा ही बदलेगी। वे पूरे पलामू प्रमंडल में भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा एक समुंद्र है। विरोधियों की कोई हैसियत नहीं है। एक सिपाही की तरह भाजपा से जुड़कर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में झारखंड में बेरोजगारी, लूट, घुसपैठिए, बलात्कार, हत्या बढ़ी है। चुनाव के वक्त जनता से झूठे वादे किए गए। उन्हें झूठा आश्वासन दिया गया। वर्तमान सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। वे वहां लाचार महसूस कर रहे थे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक रविंद्र कुमार राय ने कहा कि भाजपा निराशा और हताशा में आशा का संचार करने वाली पार्टी है। पार्टी सबको साथ लेकर चलती है। भाजपा राज्य की निर्माता है। राज्य को बचाने और विकास करने की जिम्मेदारी भी भाजपा की ही है। भाजपा ज्वाइन करने वालों में एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूर्या सोनम सिंह, प्रदेश महासचिव गोपाल सिंह, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मन्नान खान, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कुंदन कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता, प्रदेश संगठन मंत्री आदर्श सिंह, पलामू जिला अध्यक्ष संदीप पासवान सहित हाजी अब्बास अंसारी, विनय कुमार पासवान, बिमलेश सिंह, हंसराज कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह हरि, सोनू सिंह, जीशान हसन, रतनलाल, श्रीमती अंजली शर्मा, ओमप्रकाश राजवंशी, संजय सिंह, बिरेंद्र सिंह, रवि रंजन सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, देवेंद्र कुमार सिंह, हसनैन अंसारी, उदय मेहता, बबीता सिंह, अकबर खान, मनीष कुमार सिंह, सरोज मेहता, जनेश्वर भुईयां, रविंद्र कुमार सिंह, कान्हा सिंह, राणा नितेश सिंह, अजय कुमार सिंह के साथ पूरे झारखंड से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उत्तराखंड के सरकारी...

आईटी विभाग अभी भी सिक्योर सिस्टम के तहत काम कर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) में विशेषज्ञों की टीम साइबर हमले से बाहर निकलने का हर संभव प्रयास कर रही है। आईटीडीए निदेशक नितिका खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन और सिक्योरिटी को देखते हुए इस पर और कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सब कुछ रिकवर किया जा चुका है। कहीं से भी किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे सिक्योरिटी सिस्टम को चेक करने के बाद ही सभी वेबसाइटों को पूरी तरह से सुचारु किया जाएगा। डेटा सेंटर बंद कर दिया गया है। सभी 186 वेबसाइटों को एक-एक कर स्कैन किया जाएगा। इसके उपरांत ही वेबसाइट्स खोले जाएंगे।

एससी ने खारिज की ...

के पास 100 से अधिक मामले हैं और जब अदालत काम के बोझ से दबी हुई है, तो ऐसे में निर्देश पारित करना संभव नहीं है। चूंकि बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीशों पर अत्यधिक बोझ है, इसलिए ऐसा निर्देश जारी नहीं किया जा सकता है, खासकर जब पुराने निष्पादन आवेदन लंबित हों। सुप्रीम कोर्ट निष्पादन याचिका के निपटारे में देरी के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में कहा गया था कि इसे कई बार स्थगित किया जा चुका है।

महाराष्ट्र विस के ...

थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक झिरवाल और किरण लहामाटे और भाजपा के आदिवासी सांसद हेमंत सवारा उन लोगों में शामिल हैं जो तीसरी मंजिल से सुरक्षा जाल पर कूद गए थे, जिसे 2018 में सचिवालय में लगाया गया था। जब पुलिस कर्मियों ने इन नेताओं को जाल से हटाया तब आदिवासी प्रतिनिधि मैदान में एकत्रित हो गए और धरना देने लगे। उनका दावा था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आरक्षण पर चर्चा के लिए उनसे मुलाकात नहीं कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने इस तरह से विरोध प्रदर्शन क्यों किया, झिरवाल ने कहा कि मैं पहले आदिवासी हूं फिर विधायक और डिप्टी स्पीकर हूं। मुख्यमंत्री शिंदे को प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करना चाहिए। विधान परिषद के सदस्य एवं भाजपा नेता गोपीचंद पडलकर ने कहा कि झिरवाल एक संवैधानिक पद पर हैं और उन्हें ऐसा कदम उठाने की कोई जरूरत नहीं है। झिरवाल ने कहा कि राज्य सरकार को उन छात्रों को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए जो महाराष्ट्र में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम (पेसा) के तहत भर्ती पर रोक के खिलाफ एक पखवाड़े से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पाकिस्तान का दौरा ...

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एससीओ विदेश मंत्री की बैठक के लिए भारत का दौरा किया था। बताया जा रहा है, दो दिनों तक चलने वाले इस बैठक में चीन और रूस जैसे देश भी हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में क्या-क्या होगा, विदेश मंत्री एस जयशंकर के बाकी का कार्यक्रम क्या है, इसके बारे में जानकारी बाद में दी जाएगी। बता दें कि इससे पहले अगस्त में, पाकिस्तान ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अक्तूबर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की बैठक में बुलाया था। अब वह अक्तूबर में दो दिवसीय एससीओ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग की मेजबानी करेगा। एससीओ एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। यह एक राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसका लक्ष्य क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखना है। वर्ष 2001 में इसका गठन किया गया था। एससीओ चार्टर पर वर्ष 2002 में हस्ताक्षर किए गए और वर्ष 2003 में इसे लागू किया गया।

ट्राई का फिर चला...

को बल्क कनेक्शन, रोबोटिक कॉल्स और प्री-रिकॉर्डेड कॉल्स को ब्लॉक करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सितंबर में भी नियाक ने 3.5 लाख अन-वेरिफाइड एसएमएस हेडर और 12 लाख कॉन्टेंट टेम्प्लेट को भी ब्लॉक किया था। दूरसंचार नियामक ने 1 अक्तूबर से लागू हुए नियम में नेटवर्क ऑपरेटर्स को टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए आरएल, एपीके लिंक, ओटीटी लिंक वाले मैसेज को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। यूजर के पास ऐसे कोई भी मैसेज रिसीव नहीं होंगे, जिनमें कोई भी आरएल होंगे। यूजर्स को केवल उन संस्थानों और टेलीमार्केटर्स के लिंक वाले मैसेज रिसीव होंगे, जिन्हें व्हाइटलिस्ट किया गया है। टेलीमार्केटर्स नियामक द्वारा सुझाए गए मैसेज टेम्पलेट के आधार पर आरएल या अन्य संवेदनशील जानकारी जैसे कि ओटीपी आदि वाले मैसेज को व्हाइटलिस्ट करवा सकेंगे। अगर आपको कोई ऐसा नंबर दिखता है जिसे आप इस्तेमाल नहीं करते, तो आप उसे ब्लॉक करा सकते हैं। अगर आपको कोई संदिग्ध नंबर दिखता है, तो आप उसे रिपोर्ट भी कर सकते हैं। इसके लिए, आपको बाईं तरफ दिखने वाले टिक बॉक्स पर क्लिक करना होगा। फिर, नॉट माई नंबर ऑप्शन चुनें और नीचे दिए गए रिपोर्ट बटन पर क्लिक करें।

इजरायल ने हिजबुल्लाह ...

हुए इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की भी मौत हो गई थी, और उसके बाद से ही इजरायल ने हिजबुल्लाह के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर हमले तेज कर दिए थे। इजरायल का दावा है कि अब हिजबुल्लाह का सिर्फ एक शीर्ष कमांडर ही जीवित बचा है, और उसे भी जल्द खत्म कर दिया जाएगा। इजरायली सेना ने स्पष्ट किया है कि वह हिजबुल्लाह को आतंकवादी संगठन मानती है और इसके खिलाफ ऑपरेशन तेज किया जाएगा। हिजबुल्लाह फिलिस्तीनी संगठन हमास का समर्थन करता है, जो पिछले साल 7 अक्तूबर 2023 से इजरायल के साथ युद्ध में है। हिजबुल्लाह का भी हमास की लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल होना, इजरायल के लिए इसे मुख्य लक्ष्य बना चुका है। लेबनान के विभिन्न हिस्सों में इजरायली हमले जारी हैं, जिसमें अब तक 37 लोगों की मौत और 151 लोग घायल हो चुके हैं। राजधानी बेरूत के साथ-साथ दक्षिणी लेबनान में इजरायली वायुसेना द्वारा भारी तबाही मचाई जा रही है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची लेबनान पहुंच चुके हैं और जल्द ही लेबनान के प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे।

दंतेवाड़ा में बड़ी ...

जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर माड़ इलाके में नक्सलियों का सर्च ऑपरेशन चल रहा है। घटना की जांच की जा रही है। छत्तीसगढ़ से आए दिन मुठभेड़ की खबरें सामने आती रहती हैं। वहीं इससे पहले 23 सितंबर को नारायणपुर में मुठभेड़ हुई थी, इस मुठभेड़ में तीन नक्सलियों की मौत हो गई थी, जिनमें 2 पुरुष और 1 महिला समेत 3 नक्सली ढेर किए गए। साथ ही एके 47 अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद भी किए गए थे। नारायणपुर पुलिस ने ही इसकी जानकारी दी है। वहीं इसके ठीक अगले दिन 24 सितंबर को सुकमा जिले में भी मुठभेड़ हुई थी। एनकाउंटर में 2 नक्सलियों को मार गिराया था। हालांकि मुठभेड़ के बाद दोनों शव को उनके साथी अपने साथ ही ले गए थे। बता दें कि सीआरपीएफ, डीआरजी, और कोबरा के जवान कर्कनगुड़ा में नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे थे। इस साल अब तक छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर 157 हो गई है।

नित्य शाखा से ही ...

अनंत भगवान की प्रतिमा स्थापित कर तीन परकोटे वाले विशाल मंदिर का निर्माण करवाया था। देव दर्शन के पश्चात सरसंघचालक ने परिसर में नित्य लगने वाली शिव मंदिर तरुण व्यवसायी शाखा में स्वयंसेवकों के साथ एक घंटे के निश्चित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। शाखा के सभी स्वयंसेवकों ने व्यायाम, योग, प्रहार, सूर्य नमस्कार, सांघिक सुभाषित, अमृत वचन तथा गीत गायन आदि गतिविधियों में हिस्सा लिया। जिज्ञासा समाधान में शाखा के स्वयंसेवकों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरसंघचालक ने कहा कि भारत पहले से ही एक हिन्दू राष्ट्र है, जिसको उन्नत, सामर्थ्यवान तथा बलशाली बनाना है। शाखा से समाज को जोड़ने के सूत्र बताते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि अपरिचित से परिचय बढ़ाना, परिचित को मित्र बनाना, मित्र को स्वयंसेवक बनाना चाहिए। नित्य शाखा से ही समाज के लिए योग्य स्वयंसेवक निर्मित होंगे। सरसंघचालक ने शाखा के पश्चात मंदिर परिसर के बाहर स्वयंसेवकों के साथ पौधरोपण किया। इस दौरान आंवला, बिल्वपत्र तथा पीपल आदि प्रजातियों के 51 पौधे लगाए गए। शाखा के स्वयंसेवकों ने पौधों की सार संभाल का संकल्प भी लिया। इसके पश्चात शाखा टोली के साथ बैठक हुई। उन्होंने टोली बैठक में शाखा के विषय में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। शाखा में होने वाले एक घण्टे के नियमित कार्यक्रमों के विषय पर विस्तृत चर्चा भी की।

प्रशासनिक सुधारों को नई गति देते कई सम जिलों का उद्घाटन

गुवाहाटी/दरंग/रंगिया (हिंस)। असम के आवास और शहरी मामले तथा सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने प्रशासनिक सुधारों को नई गति देते हुए दरंग जिले में सिपाझाड़ और दलगांव सम जिलों का आज उद्घाटन किया। मंत्री ने दो सम जिलों के कार्यालयों का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर दो अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित करते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि सम जिलों का गठन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली असम सरकार का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है, जिसका उद्देश्य शासन प्रणाली को और अधिक जनोन्मुखी बनाना तथा सरकारी सेवाओं को और अधिक सुलभ, उत्तरदायी और कुशल बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुधार-प्रदर्शन-परिवर्तन के मंत्र के आधार पर देश के पहले राज्य के रूप में सम जिलों का निर्माण करके आज असम के शासन में ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत की है। मंत्री ने कहा कि जिले के भीतर एक छोटे प्रशासनिक समूह के रूप में ये सम जिले नागरिकों को समय पर आवश्यक सरकारी सेवाएं प्रदान करने और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण के रूप में काम करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशासनिक सुधार से न केवल स्थानीय शासन में सुधार होगा, बल्कि राज्य में प्रशासनिक व्यवस्था भी मजबूत होगी। मंत्री सिंघल ने कहा कि दलगत राजनीति से परे जाकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम के हर क्षेत्र के समान विकास के माध्यम से असम को देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सम जिलों का उद्घाटन प्रशासन के एक नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें असम न केवल देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा, बल्कि अन्य राज्यों के लिए अनुकरण करने के लिए एक उज्ज्वल उदाहरण भी स्थापित करेगा। प्रशासनिक सेवाओं का विकेंद्रीकरण करके, राज्य सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार करना, कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाना और नागरिकों के दरवाजे तक शासन लाना है। उन्होंने कहा कि असम इस सुधार के माध्यम से शासन की एक आधुनिक, कुशल और जन-केंद्रित प्रणाली शुरू करके देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने सम जिला आयुक्तों और अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे जिला आयुक्त कार्यालय को पूरी तरह दलाल मुक्त बनाएं और जनता के सेवक बनकर लोगों की सेवा करें। दोनों कार्यक्रमों में दरंग-उदालगुड़ी के सांसद दिलीप सैकिया, सिपाझाड़ के विधायक परमानंद राजबंशी, मंगलदै के विधायक बसंत दास, दलगांव के विधायक मुजीबुर रहमान, असम मत्स्य विकास निगम के अध्यक्ष गुरुज्योति दास, दरंग के जिला आयुक्त पराग कुमार काकती और अन्य लोग शामिल हुए। सिपाझाड़ और दलगांव सम जिले के नवनियुक्त सम जिला आयुक्तों के साथ स्थानीय लोग भी इस दौरान मौजूद रहे। **गुवाहाटी।** असम में आज से कोई अनुमंडल नहीं होगा। इसके बजाय, राज्य में 39 सम जिले बनाए जा रहे हैं। सीमावर्ती जिला करीमगंज में दो नए सम जिले रामकृष्ण नगर और पथारकांदी आज से शुरू हो गए हैं। राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि विभाग के तथा बराक घाटी के अभिभावक मंत्री जयंत मल्लबरुवा दो ऐसे ही सम जिलों के उद्घाटन के लिए आज करीमगंज पहुंचे। मंत्री सबसे पहले रामकृष्ण नगर पहुंचे और सम जिला के कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। कार्यालय भवन का वैदिक मंत्रोच्चार और सनातनी परंपराओं के साथ उद्घाटन किया गया। बाद में मंत्री की उपस्थिति में इस अवसर पर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में रामकृष्ण नगर के उत्साही लोग इसमें शामिल हुए। मंत्री मल्लबरुवा ने कहा कि आज से छोटे-मोटे काम के लिए जिला मुख्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। क्षेत्र का अधिकांश कार्य सम जिला कार्यालय में ही होंगे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार असम के प्रशासनिक खंड में एक नए संयोजन के रूप में कामरूप जिले के अंतर्गत रंगिया को समजिला की मान्यता दी गई है। इस मौके पर शुक्रवार को रंगिया के चिराखुंदी में आयोजित समारोह में असम सरकार के पर्यावरण और वन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री तथा कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने उपस्थित होकर आधिकारिक रूप से नवगठित समजिला के समआयुक्त कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने भाषण देते हुए इसे समजिला की शक्तियों के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया और इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि असम को पांच श्रेष्ठ राज्यों की पंक्ति में ले जाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रयास जिसमें समजिला का गठन ने एक नई गति प्रदान की है। मंत्री पटवारी ने समजिलाओं में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर टिप्पणी की। मंत्री पटवारी ने अपने संबोधन में बताया कि प्रशासनिक संस्कार, क्षमता का विकेंद्रीकरण, जमीनी स्तर तक सरकारी योजनाओं की सुविधाओ को प्रदान करने के क्षेत्र में समजिला किस प्रकार सहायक होगा इसपर टिप्पणी की। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित राज्यसभा के सांसद भुवनेश्वर कलीता ने कहा कि समजिला के गठन के परिणामस्वरूप नागरिकों को बहुत लाभ मिलेगा। दूरी ओर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत समजिला के गठन ने असम सरकार द्वारा विकास के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू किया है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रंगिया विधानसभा के विधायक भवेश कलीता ने भी प्रशासनिक सुधार और क्षमता का विकेंद्रीकरण को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने समजिला के गठन के बाद अब राजस्व से संबंधित कोई भी सेवाओं के साथ अन्य सरकारी सेवाएं किस तरह जनता के लिए सहायक होगी इस बात पर व्याख्या की। इस अवसर पर कामरूप जिले के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने भी भाषण प्रदान दिया। कार्यक्रम में रंगिया के समजिला आयुक्त देवाशिष गोस्वामी उपस्थित रहे वहीं कार्यक्रम के मंच का संचालन योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा किया गया।

पूर्व विधायक जितेन गोगोई असम जातीय परिषद में हुए शामिल

गोलाघाट (हिंस)। बोकाखात के पूर्व विधायक जितेन गोगोई आज असम जातीय परिषद में शामिल हो गए। गोगोई ने आज दोपहर बोकाखात नाट्यमंदिर में पार्टी की सदस्यता के लिए 10 रुपए का फॉर्म भरकर जातीय परिषद के सदस्य के रूप में पदभार संभाला। असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुइयां ने गोगोई का पार्टी में स्वागत किया। गोलाघाट निर्माण समूह, नामक संगठन का नेतृत्व जितेन गोगोई कर रहे थे। संगठन के सभी सदस्य आज असम जातीय परिषद में शामिल हो गए। गोलाघाट निर्माण समूह की 21 क्षेत्रीय समितियों का भी आज राष्ट्रीय परिषद में विलय हो गया। राष्ट्रीय परिषद में आज से गोलाघाट निर्माण समूह का अस्तित्व समाप्त होने की घोषणा करते हुए पूर्व विधायक जितेन गोगोई ने कहा कि अब से निर्माण समूह के सभी सदस्य जातीय सेवक के रूप में जाने जाएंगे।

प्रमोद बोड़ो ने 1, 886 लाभार्थियों को भूमि पट्टे वितरित किए

चिरांग (हिंस)। निवासियों के लिए भूमि की उपलब्धता और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से बोडोलैंड टेरिटोरियल कार्उंसिल (बीटीसी) के सीईएम प्रमोद बोड़ो ने आज चिरांग जिले के बिजनी, सिदली और बेंगतोल राजस्व क्षेत्रों के 1, 886 पात्र लाभार्थियों को भूमि पट्टों के वितरण समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रमोद बोड़ो ने भूमि के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भूमि केवल एक संसाधन नहीं है; यह हमारे अस्तित्व का सार है। यह आश्रय, सुरक्षा और आजीविका का आधार प्रदान करती है। आज, हम अपने नागरिकों को भूमि तक उनके अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बीटीआर परिषदीय सरकार की भूमि सुधार मुद्दों को हल करने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया, यह बताते हुए कि बीटीआर क्षेत्र में पहले से ही 1 लाख 40 हजार से अधिक निवासियों को भूमि पट्टे प्रदान किए जा चुके हैं। विशेष रूप से, बीटीसी देश का पहला छठी अनुसूची परिषद है जिसने सभी भूमि दस्तावेजों का डिजिटलीकरण कर दिया है, जिससे नागरिकों के लिए इसकी पहुंच को आसान बना दिया है। सांसद रंगौरा नार्जारी ने बीटीसी की भूमि सुधार पहलों की सराहना करते हुए कहा कि इनका सकारात्मक प्रभाव अनेक नागरिकों पर पड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीटीसी भविष्य में भी भूमि पट्टों के वितरण को बढ़ावा देगी। बिजनी के विधायक अजय कुमार राय ने भूमि पट्टा वितरण में सरकार की पहल की सराहना की, जबकि बीटीसी ईएम रनजीत बसुमतारी ने उन लोगों को प्रोत्साहित किया जिनके पास भूमि नहीं है। उन्होंने ऐसे लोगों आगे आने और भूमि पट्टों के लिए आवेदन करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने भूमि पट्टों के लिए देय प्रीमियम को कम कर दिया है, जिससे बीटीआर के लोगों को काफी राहत मिली है। वितरण कार्यक्रम में बीटीसी ईएम विल्सन हासदा, एमसीएलए माधव छेत्री, बीटीसी सचिव धीरज साउद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने निवासियों के लिए भूमि की उपलब्धता और सुरक्षा बढ़ाने के बीटीसी के जारी प्रयासों का समर्थन दोहराया।

दिनदहाड़े व्यापारी को गोली मारकर लूटा बैग

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत शांतिपुर में दिनदहाड़े एक व्यापारी को गोली मारकर उसका बैग लूट लिया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार गोलीबारी की यह घटना कोकराझाड़ जिले के काजीगांव थाना क्षेत्र के शांतिपुर में हुई। ग्राहक सेवा केंद्र के मालिक को निशाना बनाकर फायरिंग की गई। शफीकुल इस्लाम नामक व्यापारी पर गोली चलाई गई। शफीकुल का घर धुबड़ी जिले के तमारहाट थाना क्षेत्र के बरजान गांव में है। बदमाशों ने फायरिंग की और बैग लेकर फरार हो गए। गोली शफीकुल के हाथ में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

बोड़ो समुदाय की आठ वस्तुओं को मिला जीआई टैग

ओरांग (हिंस)। असम के बोड़ो समुदाय से संबंधित आठ वस्तुओं को जीआई टैग मिला है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के अध्यक्ष द्विपेन बोड़ो ने इस तरह के निर्णय के लिए जीआई नेतृत्व को धन्यवाद् दिया। ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन, बोड़ो साहित्य सभा, बीटीसी परिषदीय सरकार सहित कई संगठनों ने संयुक्त रूप से इस जीआई के लिए प्रयास किए हैं। उल्लेखनीय है कि बोड़ो समुदाय की इन आठ वस्तुओं में पारंपरिक भोजन सामग्री और विभिन्न प्रकार के देशी पेय आदि शामिल हैं। ज्ञात हो कि बोड़ो ट्रेडिशनल ब्रेवर्स एसोसिएशन ने तीन तरह के देसी पेय पदार्थों को जीआई टैग देने के लिए आवेदन किया था। ये तीन प्रकार के स्वदेशी पेय पारंपरिक बोड़ो जौ गोवारण, माइब्रा जौ बिद्धी और बोड़ो जौ गिछी हैं। इसके अलावा, एसोसिएशन ऑफ ट्रेडिशनल फूड प्रोडक्ट्स संगठन ने चार उत्पादों पर जीआई टैग की मांग की थी।

राज्यभर में चहुंओर मची दुर्गा पूजा की धूम

गुवाहाटी (हिंस)। नवरात्र की शुरुआत के साथ ही देशभर की तरह असम में भी दुर्गा पूजा की धूम मच रही है। राजधानी गुवाहाटी समेत राज्यभर में व्यापक पैमाने पर दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। हर तरफ पंडाल, सवाहन सपरिवार माता दुर्गा की प्रतिमाएं आदि तैयार की जा रही हैं। वहीं, पूजा स्थलों पर गुरुवार से ही कलश स्थापना के साथ पूजा अर्चना शुरू हो गई। उल्लेखनीय है कि कलश स्थापना के दिन मां दुर्गा के पहले रूप शैलपुत्री की पूजा हुई। जबकि आज, द्वितीया को ब्रह्मचारिणी रूप की पूजा की जा रही है। इसी प्रकार नवरात्र में प्रत्येक दिन क्रमश: तृतीया को चंद्रघंटा, चतुर्थी को कुष्मांडा, पंचमी को स्कंदमाता, षष्ठी को कात्यायनी, सप्तमी को कालरात्रि, अष्टमी को महागौरी तथा नवमी को दुर्गा के सिद्धिदात्री रूप की पूजा की जाएगी। दसमी को दसहरा के दिन पूर्णाहुति के साथ ही मूर्ति विसर्जन किया जाएगा।

ऐसी शास्त्रीय मान्यता है कि भगवान श्री रामचंद्र जी ने लंका की युद्ध भूमि में शारदीय नवरात्र के दौरान माता के इस नवो रूप की पूजा की थी। माता के प्रसन्न होने के बाद दशमी को श्री रामचंद्र जी रावण का वध करने में सफल हुए थे। इसी मान्यता के अनुरूप देश के कई हिस्सों में दसवीं के दिन रावण का पुतला भी जलाया जाता है। दुर्गा पूजा के मौके पर राजधानी गुवाहाटी शहर को रोशन किया जा रहा है। सरकारी विभागों द्वारा फुटपाथों तथा सरकारी दीवारों की रंगाई पुताई आदि कराई रही है। वहीं, दुर्गा पूजा समितियां द्वारा भी अपने-अपने इलाके में साफ सफाई तथा रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही हैं। प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा के मौके पर राज्य की अनेक पूजा समितियों द्वारा लॉटरी आदि का आयोजन किया जाता था। इस बार लॉटरी के आयोजन को गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश से रोक दिया गया है। प्रशासन लॉटरी के आयोजकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रहा है। वहीं, असम सरकार द्वारा चंदा वसूली को अपराध के दायरे में लाने के बाद से राज्य की जनता को ऐसे विशेष अवसरों पर राहत मिली है। लोग अपनी स्वैच्छा से दुर्गा पूजा स्थलों पर जाकर यथाशक्ति चंदा देते हैं। वहीं, राज्य सरकार प्रत्येक दुर्गा पूजा आयोजन समिति को इस बार आयोजन के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। जिससे पूजा समितियां के लिए आयोजन करना आसान हो गया है। इसी बीच हस्त नक्षत्र के शुरू होने के साथ ही बीते तीन दिनों से राज्य में हो रही लगातार बारिश के कारण पूजा के आयोजन में बाधा उत्पन्न हो रही है। बावजूद इस बरसात के लोग बड़ी संख्या में बाजारों में पूजा की खरीदारी करने के लिए उमड़ रहे हैं। लोगों की उमड़ती भीड़ के कारण राजधानी गुवाहाटी के लोग कई दिनों से भयंकर ट्रैफिक जाम की स्थिति का सामना कर रहा है। सीटी ट्रैफिक पुलिस ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने में नाकाम साबित हो रही है।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन गुवाहाटी अग्रवाल युवा परिषद द्वारा आयोजित चार दिवसीय अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में दूसरे दिन 51 जोड़ो द्वारा महालक्ष्मी यज्ञ का सामूहिक आयोजन किया गया। इससे पहले 51 जोड़ों ने पदम कलश लेकर यज्ञ पंडाल की परिक्रमा की। यज्ञ के पश्चात मां लक्ष्मी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया एवं सभी यजमान जोड़ों को सुहाग पिटारी और प्रसाद देकर आचार्य पंडित नंदू जाजड़ा द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष प्रवेश अग्रवाल उनकी पत्नी श्रुति अग्रवाल विराजमान थे। आयोजन के पश्चात सामूहिक महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। अनेकता में एकता का संदेश के इस महायज्ञ में प्रदीप भडेच, अजय नावका, सज्जन जाजोदिया, सुशील जालान के संग कुल 51 जोड़ो ने यजमान स्वरूप अपना योगदान दिया। यज्ञ में सम्मिलित सभी लोगो ने अग्रवाल युवा परिषद के माध्यम से नई युवा पीढ़ी की खूब सराहना की।

रंगिया में अभामामस ने किया महाराजा अग्रसेन जयंती का आयोजन

रंगिया (विभास)। देश के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ रंगिया में भी अग्रवाल समाज के संस्थापक तथा भगवान श्री राम के वंशज महाराजा अग्रसेन जी की जयंती बृहस्पतिवार को बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। अग्रणी स्वयंसेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की स्थानीय शाखा के तत्वावधान में इसका आयोजन स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में महाराजा अग्रसेन का भव्य दरबार सजाया गया। संध्या 7 बजे सर्वप्रथम गणेश बंदना के साथ यजमान श्री महेश लुंडिया एवं उनकी धर्मपत्नी द्वारा पूजा मंदिर के पुजारी श्री गोपाल शर्मा और पंडित श्री महेश शर्मा ने पूरे विधि विधान के साथ करवाई। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान की ज्योत प्रज्ज्वलन और आरती का आयोजन किया गया। सभी भक्तों ने महाराजा अग्रसेन और कुलदेवी महालक्ष्मी का जयकारा लगाया तथा आरती में शामिल होकर अपने कुल देवता का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान श्री श्री महाराजा अग्रसेन जी को भोग अर्पण करने के पश्चात सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। समिति की सभी सदस्याओं ने

पारम्परिक मारवाड़ी वेशभूषा का परिधान कर कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही स्थानीय समाजबंधुओ ने भी कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। पूरे सनातन मारवाड़ी समाज के समक्ष हुआ यह तृतीय वार्षिक कार्यक्रम एक सफल महोत्सव बना। कार्यक्रम में प्राची सिकरिया, अरुणा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, पायल लुंडिया, सोनम सिकारिया, शिखा अग्रवाल सहित सभी का भरपूर सहयोग रहा।

बंगाईगांव रिफाइनरी में *एक शाम कविता के नाम* पर कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ / बंगाईगांव (विभास)। बंगाईगांव रिफायनरी द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2024 के दौरान चंपा क्लब, रिफायनरी टाउनशिप में दिनांक 03 अक्तूबर 2024 को संध्या 7:00 बजे से एक कवि सम्मेलन आयोजित की गई। *एक शाम कविता के नाम* इस कवि सम्मेलन में देश भर के कवियों ने आकर अपनी कविता सुनाई। कार्यक्रम काफी शानदार तरह से आयोजित की गई। रिफाइनरी के व्यवस्थापकों ने अच्छी व्यवस्था की वहीं देशभर से आये और कुछ स्थानीय रचनाकारों ने अपनी कविता से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री शरद कुमार, सहायक प्रबंधक (हिंदी एवं सीएसआर) सह सदस्य सचिव नराकास, बंगाईगांव ने किया। उन्होंने अधिकारियों और कवियों का परिचय कराया। दीप प्रज्वलन के बाद बंगाईगांव रिफाइनरी के ईडी एंड आरएच श्री नयन कुमार बरुआ जी ने सभी कवियों को बारी-बारी से बुलाकर कई तरह के पारम्परिक गमछा, शॉल, पुष्प गुच्छ, मोमेंटो, पौधा, कलम व डायरी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रिफाइनरी के कई अधिकारीगण और साथ में उनकी धर्मपत्नी भी आई थी। जिसमें शामिल थे बंगाईगांव रिफाइनरी के ईडी एन्ड आर एच श्री नयन कुमार बरुआ जी और उनकी धर्मपत्नी, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी सेवा) मिहिर सिंघल, महाप्रबंधक (फायनांस) आंनद कुमार, महाप्रबंधक (ईएमएस) मुसुका बोरों, शरद कुमार, सहायक प्रबंधक (हिंदी एवं सीएसआर) सह सदस्य सचिव नराकास, बंगाईगांव, चम्पा क्लब के सांस्कृतिक सचिव नरोत्तम कुमार, रिफाइनरी के अन्य कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य गण। शामिल कवियों में अभयापुरी कॉलेज के असमिया विभाग की सेवा निवृत प्रोफेसर डॉक्टर मरमी बर ठाकुर, रेलवे के वरिष्ठ व्याख्याता और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कवि विनय कुमार बुद्ध, एनटीपीसी सालाकाटी में अभियंता पद पर कार्यरत हास्य कवि दीपक सहाय, बोड़ो भाषा की प्रतिष्ठित कवयित्री और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित श्रीमती जयश्री बोड़ो, कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी राजबंशी कवयित्री श्रीमती अनुपमा सरकार मेधी, प्रसिद्ध रंगकर्मी, कई मंचों और संगठनों से जुड़े प्रेम की रचनाओं के लिए मशहूर युवा कवि रहमान ने अपनी कविता से कार्यक्रम में जान डाल दी। कवि सम्मेलन के लिए मंच संचालन का दायित्व विनय कुमार को दी गई, जिसे उन्होंने बखूबी निभाई। कवि सम्मेलन की समाप्ति के बाद सभी को रात्रि भोज के लिए बुलाया गया, जहां सभी ने सामुहिक रूप से भोजन का आनंद उठाया और आपस में बातचीत कर रिफायनरी और बाहर से आये लोगों से अपनी-अपनी बातें साझा किया। अंत में सभी कवियों को नकद राशि का लिफाफा देकर विदा किया गया। कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों, कवियों के साथ अन्य सभी ने शरद कुमार जी के अथक प्रयास की सराहना की।

संपादकीय

सियासी फासलों का खेल

जहा फैसले नहीं होते, वहां सियासी होते हैं फासले। इन्हीं फैसलों के फासले गांधी जयंती के अवसर पर तब टकराए जब धर्मशाला में केंद्रीय सडक़ एवं परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और इसके बरअक्स हरियाणा चुनाव में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक दूसरे की पोल खोली। अपनी बरवाला जनसभा में सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर शुरू की गई चर्चा पर स्पष्ट किया कि केंद्र ने प्राकृतिक आपदा पर जिस राज्य को फूटी कौड़ी नहीं दी, वहां असल में फैसलों का नहीं, फासलों का खेल है। यह जाहिर है कि डबल इंजन सरकारों की वकालत जब से हिमाचल में ढह गई, दिल्ली की निगाह प्रदेश को नजरअंदाज कर रही है। दूसरी ओर गांधी जयंती के ही दिन धर्मशाला पधारे केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा के पिटारे से भी फासलों का जिक्र निकला। पठानकोट-मंडी फोरलेन परियोजना में हो रही देरी पर कांगड़ा व मंडी के बीच दूरी कम नहीं हो रही, तो फासला मिटाने को निर्णायक कौन होगा। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय धर्मशाला के प्रस्तावित कैंपस से देहरा परिसर में चल रहे निर्माण की दूरी पर प्रश्न उठाए, तो सारा पाठ्यक्रम सामने आ गया। जदरांगल परिसर सियासी फासलों का ऐसा उदाहरण है जो केवल एक पक्ष या एक सरकार नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र का अति निर्लज्ज चेहरा है। यह कहानी है चेहरे और चरित्र के बीच बंटती सियासत की और विद्वेष की भावना में जीत और हार का चित्रण भी। अबकी केंद्रीय मंत्री मल्होत्रा पूछ रहे हैं क्योंकि पूछना आसान है, लेकिन यह दास्तान कई केंद्रीय मंत्रियों और हिमाचल के मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों की है जो जदरांगल परिसर को खारिज करने की परिपाटी में प्रेम कुमार धूमल से शुरू होकर सुक्खू तक पहुंच जाती है। ऐसा भी नहीं कि संस्थान को गैरों ने चोट पहुंचाई, बल्कि जब किशन कपूर मंत्री व स्थानीय विधायक थे तो उन्होंने ही सर्वप्रथम 'दो इंच जमीन नहीं' का नारा देकर राजनीति को नचाया था। हैं कसूरवार इस प्रांगण में बहुत, तू तो बस इक मोहरा है। प्रश्न उठते हैं कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने देहरा को हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की वजह से तरजीह दी या अब वर्तमान मुख्यमंत्री का 'सब तेरा' का वादा देहरा के पक्ष में काम कर रहा है। यह इसलिए भी कि धर्मशाला उपचुनाव में मुख्यमंत्री ने आचार संहिता के बाद जरदांगल को मोहलत में गारंटी दी थी। मल्होत्रा पूछ रहे हैं, तो यह भी बता दें कि पूरे खेल में अनुराग ठाकुर, स्मृति इरानी व जयराम ठाकुर की भूमिका कैसी रही। ऐसे में फासले मापने या गिनाने से क्या फर्क पड़ेगा। कम से कम मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह को स्थिति स्पष्ट करके कह देना चाहिए कि वह दो साल की उपलब्धियों में जदरांगल परिसर की बजाय देहरा की जमीन पर झंडे गाडऩा चाहते हैं। बेहतर होगा यहां के हिस्से में आए ढाई सौ करोड़ भी देहरा परिसर को रवाना किए जाएं ताकि कम से कम संस्थान अपनी आवारगी से तो बच जाए। रही बात जदरांगल की जमीन को लेकर, तो बेहतर यह होगा कि वहां पूर्व प्रस्तावित आई टी पार्क बना दिया जाए। आश्चर्य यह है कि हिमाचल की सबसे कठोर परीक्षाएं देकर भी केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर फेल किया जाता रहा और आज भी हो रहा है। मामला यहां तक विकराल है कि देहरा की सियासी गोद में आश्रय लेने वाले पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि ने इस संस्थान की पैरवी में धर्मशाला और इसकी संभावना को ही लांछित कर दिया। तब किशन कपूर के कारण या हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की वजह से जदरांगल अभिशप्त हुआ या अब कांग्रेस से छिटके और भाजपा में अटके विधायक सुधीर शर्मा के कारण यह परिसर लटक गया, शायद ही भोली, लेकिन आंदोलनरत जनता तथा राजनीतिक वादों पर विश्वास करने वाले लोग कभी समझ पाएंगे।

केंद्रीय सडक़ एवं परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और इसके बरअक्स हरियाणा चुनाव में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक दूसरे की पोल खोली। अपनी बरवाला जनसभा में सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिमाचल की आर्थिक स्थिति पर शुरू की गई चर्चा पर स्पष्ट किया कि केंद्र ने प्राकृतिक आपदा पर जिस राज्य को फूटी कौड़ी नहीं दी, वहां असल में फैसलों का नहीं, फासलों का खेल है। यह जाहिर है कि डबल इंजन सरकारों की वकालत जब से हिमाचल में ढह गई, दिल्ली की निगाह प्रदेश को नजरअंदाज कर रही है। दूसरी ओर गांधी जयंती के ही दिन धर्मशाला पधारे केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा के पिटारे से भी फासलों का जिक्र निकला। पठानकोट-मंडी फोरलेन परियोजना में हो रही देरी पर कांगड़ा व मंडी के बीच दूरी कम नहीं हो रही, तो फासला मिटाने को निर्णायक कौन होगा। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय धर्मशाला के प्रस्तावित कैंपस से देहरा परिसर में चल रहे निर्माण की दूरी पर प्रश्न उठाए, तो सारा पाठ्यक्रम सामने आ गया।

विश्व युद्धों ने एक बार फिर दुनिया का राजनीतिक नक्शा बदल दिया

इजरायल के विवाद में ईरान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

एशिया में यहूदियों की भूमि पर जब ईसाई मजहब और इस्लाम मजहब ने आकार ग्रहण करना शुरू किया तो हालात ऐसे बने कि यहूदियों को अपने देश से भागना पड़ा। जिसको जहां भी आश्रय मिला, वह उसी देश में जाकर बस गया। बहुत से यहूदी हिंदुस्तान में आकर भी बस गए। लेकिन देखते-देखते पूरा यूरोप अपने पूर्वजों के रास्ते को छोड़ कर ईसाई मजहब के नए रास्ते पर चल पड़ा। बाद में एशिया में उसी क्षेत्र में जहां ईसाई मत पैदा हुआ था, इस्लाम पंथ का उदय हुआ। इस नए मत में दीक्षित हुए अरबों और तुर्कों ने एशिया/जम्बू द्वीप के देशों को तो पकड़ा ही, लेकिन इसके साथ ही उसने अफ्रीका और यूरोप के देशों में भी ईसाई मजहब को अपदस्थ करने के लिए युद्ध छेड़ दिया।

इजराइल को लेकर फिलिस्तीन, लेबनान और बेरूत में विवाद चलता रहता है। एशिया में यहूदियों की भूमि पर जब ईसाई मजहब और इस्लाम मजहब ने आकार ग्रहण करना शुरू किया तो हालात ऐसे बने कि यहूदियों को अपने देश से भागना पड़ा। जिसको जहां भी आश्रय मिला, वह उसी देश में जाकर बस गया। बहुत से यहूदी हिंदुस्तान में आकर भी बस गए। लेकिन देखते-देखते पूरा यूरोप अपने पूर्वजों के रास्ते को छोड़ कर ईसाई मजहब के नए रास्ते पर चल पड़ा। बाद में एशिया में उसी क्षेत्र में जहां ईसाई मत पैदा हुआ था, इस्लाम पंथ का उदय हुआ। इस नए मत में दीक्षित हुए अरबों और तुर्कों ने एशिया/जम्बू द्वीप के देशों को तो पकड़ा ही, लेकिन इसके साथ ही उसने अफ्रीका और यूरोप के देशों में भी ईसाई मजहब को अपदस्थ करने के लिए युद्ध छेड़ दिया। इन संघर्षों का सबसे ज्यादा नुकसान यहूदियों को ही भुगतना पड़ा। उनका देश खत्म हो गया, लेकिन इसके साथ ही यहूदियों को यूरोप में भी ईसाइयों के प्रहारों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन विश्व युद्धों ने एक बार फिर दुनिया का राजनीतिक नक्शा बदल दिया। नए नक्शे में यहूदियों को एक बार फिर से उनका परम्परागत देश वापस मिल गया। दुनिया के नक्शे पर फिर से इजरायल दिखाई देने लगा। दुनिया भर में बिखरे यहूदी अलग-अलग देशों से आकर इजरायल में बसने लगे।

जाहिर है अब यहूदियों के लिए पवित्र इस क्षेत्र का कुछ हिस्सा उन फिलिस्तीनी, लेबनानी या दूसरे लोगों को छोडऩा पड़ा जो इस लम्बे कालखंड में यहां बस गए थे। इतना ही नहीं, इस कालखंड में यहां बस गए लोगों ने इस्लाम या ईसाईयत नाम के अलग मजहबों को भी अपना लिया था। वैसे तो यहूदी, ईसाई और मुसलमान तीनों ही 'पीपल्स ऑफ दि बुक' माने जाते हैं, लेकिन काल के अंतराल ने अब इनको एक-दूसरे का शत्रु ही बना दिया था। वैसे भी इजराइल चारों ओर से अपने विरोधी मजहबों को मानने वाले देशों से ही घिरा हुआ है। इन देशों को यह भी लगता है कि इजराइल उनको अपदस्थ करके स्थापित हुआ है। अपने निर्माण काल से ही इजराइल को निरंतर अपने अस्तित्व की लड़ाई लडऩी पड़ रही है। लेकिन प्रश्न है कि इस सारे खेल में ईरान क्या कर रहा है? ईरान इजराइल से शत्रुता धर्म किस आधार पर निभा रहा है? क्योंकि सभी जानते हैं कि लेबनान और

दूसरे स्थानों पर ईरान, इजराइल के खिलाफ एक आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह को शह देता रहता है। केवल शह ही नहीं, कुछ विद्वान तो यह कहते हैं कि हिज्बुल्लाह ईरान की ही अवैध संतान है। लेकिन प्रश्न फिर वही है कि ईरान का उस पचड़े से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्या लेना-देना है? इसके लिए सबसे पहले ईरान की अपनी स्थिति या इतिहास को समझ लेना होगा। दरअसल जिस वक्त अरबों ने हजरत मोहम्मद के रास्ते पर चलने का निर्णय किया, उसी समय अरब के अनेक कबीलों में एकता भी दिखाई देने लगी। जाहिर है एकता के इस प्रदर्शन के साथ ही अरबों ने उस एकता का लाभ लेने के लिए अपने परम्परागत शत्रुओं पर सैनिक हमले शुरू कर दिए। ईरान उसका पहला शिकार हुआ। वह अरबों से पराजित ही नहीं हुआ, बल्कि उसको सजा देने के लिए हमलावरों ने यह शर्त भी लगा दी कि पराजित ईरानियों को अपना मजहब छोड़ कर अरबों का नया मजहब ही अपनाना होगा। विवशता में ईरानियों को अपना परम्परागत मजहब छोडऩा पड़ा। उन्होंने अरबों का मजहब स्वीकार तो कर लिया, लेकिन अपने इस अपमान को भुला नहीं पाए। लेकिन उनको अपना अवसर इस्लाम मजहब के संस्थापक हजरत मोहम्मद के 632 में हुए देहावसान के लगभग पांच दशक बाद 680 में मिला। अरबों में हजरत मोहम्मद के उत्तराधिकारी को लेकर विवाद तो उनके देहावसान के तुरंत बाद ही शुरू हो गया था।

अरबों के बड़े व ताकतवर कबीलों ने हजरत मोहम्मद (उनका कोई बेटा नहीं था) के दामाद हजरत अली को उत्तराधिकारी, जिसे खलीफा कहा गया, मानने से इन्कार कर दिया। यह स्थान अबू बकर को दिया गया। इसके बाद भी बारी हजरत उमर और उस्मान की ही आई। हजरत अली को दूर ही रखा गया। तीसरे खलीफा के देहांत के बाद अली खलीफा तो बना दिए गए, लेकिन विरोधी पक्ष के अरबों ने जल्दी ही उनकी नमाज अता करते समय हत्या कर दी। लेकिन अब तक अरबों ने कई देशों पर कब्जा भी कर लिया था और वहीं बलपूर्वक अरबों का यह नया मजहब भी लागू कर दिया था। लेकिन स्वयं अरब देशों में और अरबों द्वारा कब्जा किए गए देशों में प्रशासन अच्छा और न्यायपूर्ण नहीं था। लोग मुसलमानों के इस अत्याचारी शासन से बहुत त्रस्त थे। हजरत अली के सुपुत्र हजरत हुसैन ने इसे चुनौती दी, लेकिन मुसलमानों ने उनको पूरे परिवार समेत कर्बला के मैदान में धोखे से अमानवीय तरीके से मार दिया। इस युद्ध में हजरत हुसैन की सहायता करते हुए मोहियाल ब्राह्मण भी मुसलमानों के खिलाफ लड़े थे। ब्राह्मण सेनापति राहिब दत्त के सातों बेटे इस लड़ाई में शहीद हो गए थे। मोहियाल ब्राह्मणों का उद्गम पेशावर के आसपास माना जाता है और ब्राह्मणों में मोहियाल मार्शल रेस माने जाते हैं। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आज भी मोहियाल ब्राह्मणों के घर हैं। इमाम हुसैन के पक्ष में लडऩे के कारण मोहियाल ब्राह्मणों को हुसैनी ब्राह्मण भी कहा जाता है। हजरत हुसैन की शहादत के बाद उसके अनुयायियों ने शिया मजहब के नाम से नया पंथ चलाया। ईरान के लोगों ने तुरंत इस नए पंथ को अपना लिया। ईरान और अरबों का झगड़ा तो इस्लाम मजहब के उदय होने से भी पहले का है, लेकिन बीच के एक छोटे से कालखंड में उन्हें अरबों का मजहब ही मानना पड़ा। परंतु जल्दी ही वे शिया पंथ के विस्तारक हो गए। लेकिन काल का चक्र यहीं नहीं रुका। धीरे-धीरे विश्व राजनीति में अरब हाशिए पर आ गए। ओटोमन साम्राज्य के ध्वस्त होने के बाद तुर्क भी हाशिए पर पहुंच गए। ईरान की शक्ति बढऩे लगी। काल का एक चक्र पूरा हो गया लगता है। अब ईरान चाहता है कि अरब देश उसका नेतृत्व स्वीकार करें। ईरान न्यूक्लिअर शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। अरब देशों का इजराइल से वैर है। लेकिन वे इजराइल को चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में यदि इजराइल को चुनौती देता है तो जाहिर है अरब देश इतना तो मान ही लेंगे कि यदि भविष्य में इजरायल अरब देशों को तंग करता है, तो वे कम से कम ईरान की शरण में तो जा ही सकते हैं। यह युद्ध भयंकर स्थिति की ओर बढ़ रहा है।

दृष्टि कोण

आधुनिक युग में रामलीला की प्रासंगिकता

देवभूमि में रामलीला और रामायण देव-परम्परा देवभूमि हिमाचल प्रदेश की सबसे मूलभूत और सशक्त पहचान रही है। हमारे दैनिक जीवन, परम्पराओं, रीति-रिवाजों और जीवन मूल्यों पर देवी-देवताओं का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। वहीं, इन देवी-देवताओं की आस्था का अभिकेन्द्र भगवान रघुनाथ (भगवान श्रीराम) रहे हैं। जिस प्रकार से हिमाचली समाज देवी-देवताओं की आराधना करता है, उसी प्रकार से हमारे देवी-देवता भगवान रघुनाथ को अपना आराध्य देव मानते हैं। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में देवभूमि हिमाचल प्रदेश के देवी-देवता भगवान रघुनाथ के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा को अभिव्यक्त करते हैं। इस अवसर पर हर वर्ष भगवान रघुनाथ की एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। सभी देवता इसमें उपस्थित होकर भगवान रघुनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। सम्भवतः इसी कारण देवभूमि हिमाचल प्रदेश में रामलीला मंचन को लेकर विशेष आस्था और आकर्षण देखने को मिलते हैं। इस प्रकार, देव परम्परा के केंद्र में स्थित भगवान राम हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रमुख आधार हैं और उनके प्रति समर्पण रामलीला जैसे आयोजनों में स्पष्ट रूप से प्रकट होता है। तीन अक्तूबर से शारदीय नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के विभिन्न कस्बों और गांवों में रामलीला का मंचन भी प्रारम्भ होगा। इसमें भगवान श्रीराम की जीवन यात्रा का नाटकीय रूप से प्रस्तुतीकरण किया जाता है। रामलीला में स्थानीय कलाकार पारम्परिक वेशभूषा धारण करके रामायण के पात्रों को जीवंत करते हैं। इस लोक नाट्य रूप में मंचित रामलीला में गीत, संगीत, नृत्य और संवाद के माध्यम से भगवान राम की कथा का मंचन किया जाता है। यह रामलीला लोगों को भगवान राम के आदर्श जीवन की स्मृति दिलाती है और समाज को धर्म और मर्यादा का पालन करने की प्रेरणा देती है। इससे समाज में आपसी सद्भाव और धार्मिकता को बल मिलता है। इस प्रकार रामलीला का मंचन हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को सजीव रखता है और देव समाज की धार्मिक आस्थाओं को मजबूत करता है। हिमाचल प्रदेश में रामलीला का मंचन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और एकता का भी एक महत्त्वपूर्ण प्रतीक है। रामलीला की विशेषता यह है कि इसमें हर जाति, मत और वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भाग लेते हैं। विभिन्न समुदायों से आने वाले लोग एक क्लब या समूह में शामिल होकर रामायण की कथा का सामूहिक मंचन करते हैं। इसमें किसी भी प्रकार का जातीय भेदभाव या सामाजिक असमानता नहीं होती, बल्कि सभी समान रूप से भगवान राम के आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं को प्रस्तुत करने के लिए सहयोग करते हैं। इससे सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास होता है। यह प्रक्रिया समाज में समानता और सहिष्णुता को प्रकट करती है, जिसमें सब लोग धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था और समर्पण को साझा करते हैं। इससे समाज में सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित होता है। इस प्रकार रामलीला हिमाचल प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है, जो पूरे समाज को एकजुट रखने में सहायक है। रामलीला मंचन भारतीय संचार परम्परा की एक अनूठी एवं प्रभावशाली परम्परा है। मध्यकाल से ही भारत में रामलीला का मंचन होता आ रहा है। इसके बावजूद दर्शकों में इसके प्रति आकर्षण कभी कम नहीं हुआ है। हर वर्ष रामलीला मंचन की विषयवस्तु एक ही रहती है। दर्शकों को मालूम होता है कि किस समय कौनसा दृश्य आएगा। हर साल इसका कथानक और घटनाक्रम समान रहता है, फिर भी यह हर बार दर्शकों के लिए नई प्रेरणा और अनुभव लेकर आता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार भारतीय संचार परम्पराएं स्थायित्व और ताजगी के साथ पुनरावृत्ति में भी प्रभावी होती हैं। इस प्रकार रामलीला केवल धार्मिक नाटक भर नहीं है, बल्कि यह संवाद का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग एकत्र होकर सांस्कृतिक अनुभव साझा करते हैं। हिमाचल प्रदेश में रामलीला मंचन की परम्परा निरंतर समृद्ध होती जा रही है। हर वर्ष नए क्लब खड़े हो रहे हैं। खास बात यह कि ये रामलीला क्लब और कार्यक्रम बिना किसी सरकारी प्रश्रय के आगे बढ़ रहे हैं।

कुछ अलग

ढाई आखर प्रेम का...

मैंने ढाई आखर (प्रेम) पढ़ लिया था, इसलिए बी.ए. अथवा एम.ए. करने की आवश्यकता ही नहीं रही। पिता जी ने अवश्य कहा -''बेटा पढ़ लेते तो ठीक रहता।'' मैंने कहा – ''पिता जी, मैंने प्रेम का ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अतः औपचारिक शिक्षा की मुझे जरूरत नहीं है।'' पिता जी बोले – ''नौकरी धंधे के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी है।'' मैंने कहा – ''मैं बकौल कबीर ढाई आखर पढ़ कर पण्डित हो गया हूं। आप किसी प्रकार की चिंता न करें।'' यही बात मैंने प्रेम में बंधी अपनी नायिका से कही तो वह भी एक बार तो चकरा गई और बोली ''यह मैंने क्या कर लिया?'' मैंने कहा -''घबराओ नहीं, तुम्हारा निर्णय सौ फीसदी सही है। तुम्हारा चयन प्रश्न-चिन्ह लगाने लायक है ही नहीं।'' नायिका बोली -''मैंने पी.एच.डी. कर रखी है और तुम निपट गंवार। तुमने मुझे अंधेरे में रखा है। ढाई आखर से काम चल जाता तो मैं पी.एच.डी. क्यों करती? पता नहीं अब क्या होगा? मैं ठहरी एकानिष्ठ, पिता को पता चलेगा, तो वे मेरा पता नहीं क्या हाल करेंगे?'' मैं बोला- ''बहकी-बहकी बातें मत करो। मैंने बड़ी कठिनाई से ढाई आखर का पाठ पढ़ाया है, वरना तुम तो पढ़ाई में मशगूल थी।'' नायिका तमतमा रही थी, बोली- 'भले आदमी तुम मुझे बताते तो सही कि तुमने अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण की है। बिना कमाए हम क्या कमाएंगे-खाएंगे? माफ करना अब यह ड्रामा आगे नहीं चल पाएगा।' ''इसे ड्रामा मत कहो प्रिय, मैं गोपाल काण्डा नहीं हूं। मैंने तुमसे जो वादे किए हैं, वे सब निभाऊंगा। तुम अपनी कसमों से मुकरो मत। प्रेम को इतना साधारण मत समझो। यह खुदा की इबादत के समान है।'' मैंने कहा तो नायिका और भडक़ उठी- ''तेल लेने गया तुम्हारा प्रेम। किसने पढ़ाया है तुम्हें यह प्रेम का पाठ?'' ''यह पाठ मैंने तुमसे ही सीखा है प्रिय! तुम बदल क्यों रही हो। ऐसा करो तुम्हारी नौकरी लगने के बाद शादी कर लेंगे।'' ''और तुम क्या करोगे?'' ''मैं सिर्फ प्रेम करूंगा तुमसे। मैंने केवल ढाई आखर पढ़ा है, इसलिए मुझे कोई नौकरी नहीं देगा। नौकरी का भार तो तुम्हारे कंधों पर ही रहेगा। मैं अपने होने वाले बच्चों को संभाल लूंगा।'' मेरे कथन पर नायिका भडक़ उठी- ''बच्चे और तुमसे? यह मुंह और मासूर की दाल। मैं अपनी गलती को ठीक करके तुम्हारे प्रेमपाश को त्यागती हूं।'' ''तुम ऐसा कैसे कर सकती हो? मेरा क्या होगा, तुम्हारे अलावा जमाने में मेरा और है भी कौन? जरा मेरी आंखों में देखो, उसमें तुम्हारे लिए कितना प्यार है?'' नायिका को लगा जैसे मैं कुछ ठीक कह रहा हूं। उसने मेरी आंखों में देखा और बोली- ''अरे तुम तो रो रहे हो? रोओ मत, ढाई आखर का पाठ बुरा नहीं है। चलो कमा मैं लूंगी और तुम मुझे ढेर सारा प्यार देना।'' मैं बोला- ''इतना प्यार कि तुम्हारी झोली छोटी पड़ जाएगी प्रिय। मैं वही करूंगा, जो तुम कहोगी।'' नायिका ने बढक़र मुझे गले से लगा लिया। ढाई आखर साकार होता देख मेरी आंखों से आंसू टपक पड़े। नायिका ने अपने हाथों से आंसू पोंछे और बोली- ''चलो हम अपने माता-पिता को अपनी मर्जी का करने की बात बताते हैं।'' मैं खुश हो गया। तभी मेरे पिता जी ने आकर प्रियतमा के सिर पर हाथ फेरा और कहा- ''घबराओ मत बेटी, तुम्हारे पिता से बात मैं करूंगा।'' हम दोनों पिता के पीछे-पीछे चल दिए। हम खुश थे।

देश दुनीया से

निस्तारण की व्यावहारिक योजना पर हो अमल

सरकारें इस बाबत तब होश में आती हैं जब इस समस्या के चलते वायु प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पराली जलाने की घटनाओं में हुई कई गुणा बढ़ोतरी हालात की विकरालता का जीता-जागता सबूत है। धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं में दैनंदिन होती बढ़ोतरी को खतरा माना जाना चाहिए। पराली जलाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश का पश्चिमी अंचल, हरियाणा, पंजाब और किसी हद तक राजस्थान का सीमांत क्षेत्र सितम्बर से दिसम्बर के आखिर तक भयावह स्तर तक प्रभावित रहता है। ये महीने इन क्षेत्र के लोगों के लिए मुसीबत बनकर आते हैं। इन राज्यों की सरकारों द्वारा इसे रोकने की दिशा में किए गये सारे प्रयास, अभियान और किसानों को जागरूक करने के सभी कदम बेमानी साबित हो जाते हैं।

पराली जलाने से हुए प्रदूषण से निपटने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। यह समस्या हर साल और विकराल होती चली जा रही है। सरकारें इस बाबत तब होश में आती हैं जब इस समस्या के चलते वायु प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पराली जलाने की घटनाओं में हुई कई गुणा बढ़ोतरी हालात की विकरालता का जीता-जागता सबूत है। धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं में दैनंदिन होती बढ़ोतरी को खतरा माना जाना चाहिए। पराली जलाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, उत्तर प्रदेश का पश्चिमी अंचल, हरियाणा, पंजाब और किसी हद तक राजस्थान का सीमांत क्षेत्र सितम्बर से दिसम्बर के आखिर तक भयावह स्तर तक प्रभावित रहता है। ये महीने इन क्षेत्र के लोगों के लिए मुसीबत बनकर आते हैं। इन राज्यों की सरकारों द्वारा इसे रोकने की दिशा में किए गये सारे प्रयास, अभियान और किसानों को जागरूक करने के सभी कदम बेमानी साबित हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि यह सब तब होता है जबकि पराली जलाने पर पाबंदी है। सुप्रीम कोर्ट भी इस बाबत गंभीर चिंता जाहिर कर चुकी है कि यह कैसा प्रबंधन है कि प्रतिबंध के बावजूद राज्यों में पराली जलायी जा रही है। हालात इस बात के सबूत हैं कि दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम की अवहेलना हुई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग इस पर नियंत्रण कायम करने में नाकाम रहा है। क्योंकि एक भी ऐसी मिसाल नहीं मिली है कि आयोग ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम के तहत एक भी दंडात्मक कार्रवाई की हो। हालात तो यही इशारा करते हैं कि पराली जलाने के खिलाफ निषेधात्मक निर्देश केवल कागजों तक ही सीमित रहे हैं। गौरतलब है कि राजधानी क्षेत्र में दुनिया के दस फीसदी अस्थमा से पीड़ित लोग रहते हैं। नतीजतन पहले से ही अस्थमा से परेशान लोगों के लिए बढ़ता वायु प्रदूषण जानलेवा बन जाता है। वैसे भी मौसम में आ रहे बदलाव के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है। फिर वहीं, पराली जलाये जाने से पीएम के स्तर में बढ़ोतरी चिंताजनक है। बीते 5 सालों के आंकड़े बताते हैं कि पराली जलाने के 75 फीसदी मामले अकेले पंजाब में ही हुए हैं। इस बार पंजाब में धान की कटाई के बाद 200 लाख टन पराली बचेगी, जबकि राज्य का लक्ष्य 19.52 लाख टन पराली के प्रबंधन का ही है। जाहिर है शेष पराली प्रबंधन के अभाव में जलाई ही जायेगी। ऐसे हालात में एसोचेम का कहना सही है कि स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करना केन्द्र, राज्य, समाज और लोगों की संयुक्त जिम्मेदारी है। लेकिन इसमें हम विफल रहे हैं। खासतौर पर जब सर्दियों में आसमान धुंध और विषाक्त गैसों से घिरा होता है, के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे साल के लिए वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए एक समन्वित कार्य योजना बनायी जाये। गौरतलब है कि बीते साल दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि पड़ोसी राज्यों के किसानों द्वारा पराली जलाये जाने से हर साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस दौरान वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। इस पर लगाम लगाई जाये और पराली से कंपोस्ट खाद बनाये जाने का आदेश दिया जाये। ऐसा करने से जहां खाद बनाने से बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगेगी, वहीं दूसरी ओर, किसान इस खाद का उपयोग कर बेहतर और रसायनविहीन पैदावार हासिल कर सकेंगे। चूंकि, मनरेगा पंचायत स्तर की सरकारी योजना है, इसलिए खाद बनाने की प्रक्रिया को मनरेगा से जोड़ा जाये। लेकिन उस पर कोई ध्यान ही नहीं दिया गया। बेशक, वायु प्रदूषण में पराली की अहम भूमिका है, लेकिन सड़कों की धूल, फैले कूड़े, वाहनों की धूल और बायोमास का भी नकारात्मक रोल होना है। इससे वातावरण में ज़हर के कॉकटेल का निर्माण होता है। वातावरण में सबसे अधिक घातक अजैविक एयरोसेल का निर्माण, बिजलीघरों, उद्योगों, ट्रैफिक से निकलने वाले सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रोजन आक्साइड तथा कृषि कार्य से पैदा होने वाले अमोनिया के मेल से होता है। दरअसल, 23 फीसदी वायु प्रदूषण की वजह यह कॉकटेल ही है। दिल्ली में वायु प्रदूषण, धुंध का 20 फीसदी उत्सर्जन दिल्ली के वाहनों से, 60 फीसदी दिल्ली के बाहर के वाहनों से तथा 20 फीसदी के आसपास बायोमास जलाने से होता है। आस्ट्रिया स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फार एप्लायड सिस्टम एनालीसिस और नीरी के शोध के अनुसार दिल्ली में प्रदूषित हवा के लिए 40 फीसदी दिल्लीवासी और 60 फीसदी पड़ोसी राज्य जिम्मेदार हैं। डब्ल्यूएचओ शोध-अध्ययन के अनुसार देश की हवा दिनोंदिन ज़हरीली होती जा रही है। इसलिए पराली जलाने पर किसानों को कोसने से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए सरकारी प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता पूरी तरह जिम्मेदार है। वायु प्रदूषण की समस्या किसी युद्ध की विभीषिका की आशंका से कम नहीं है। ज्ञानेन्द्र रावत पराली जलाने से हुए प्रदूषण से निपटने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। यह समस्या हर साल और विकराल होती चली जा रही है।

आप का नजरीया

बार-बार पैरोल

डेरा सच्चा सौदा का प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिर जेल से बाहर आया है। हरियाणा चुनाव के मतदान से ऐन पहले उसे 20 दिन के पैरोल पर रिहा किया गया है। चार साल में 15वीं बार उसे पैरोल पर जेल से बाहर आने का मौका मिला है। न कोई आपातस्थिति है, न कोई आकस्मिकता है और न ही कोई मरणासन्न है, लेकिन किसी 'फैमिली मैटर' के आधार पर पैरोल दी गई है। वह पारिवारिक मामला क्या है? क्या बाबाओं का भी पारिवारिक मामला होता है? बेशक छद्म ही सही, राम रहीम लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूज्य है, आस्था का पात्र है, लेकिन वह नाबालिग साध्वियों के साथ बलात्कार और एक पत्रकार की हत्या सरीखे जघन्य अपराधों में सजायाफ्ता है। उसे एक मामले में 20 लंबे साल और अन्य मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बेशक पैरोल एक सजायाफ्ता कैदी का स्थितिजन्य अधिकार है और फरलो को जेल के दस्तावेजों और नियमों में 'इनाम' करार दिया गया है। जब भी पुलिस और जेल सुधारों का उल्लेख होता है, तो उनमें कैदी को ज्यादा से ज्यादा जेल के बाहर रखना 'सुधारात्मक' माना गया है। उससे कैदी के व्यवहार और मानसिकता में सुधार होगा और वह ज्यादा सामाजिक होगा। उन सुधारों में ही 'फरलो' को एक इनाम माना गया है, जो जेल प्रशासन एक कैदी को दे सकता है। हालांकि अलग-अलग राज्य में फरलो की अवधि तय है। फरलो का ही विकल्प पैरोल है। बहरहाल यह संयोग है या कोई प्रयोग है कि राम रहीम को लोकसभा, विधानसभा, नगरपालिका या पंचायत चुनावों के दौरान ही पैरोल या फरलो दी जाती रही है। बेशक वह एक प्रभावशाली शख्स है और पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, पश्चिमी उप्र और राजस्थान आदि राज्यों में डेरे के असंख्य भक्त और अनुगामी हैं, लिहाजा डेरा प्रमुख के किसी आह्वान या अपील का असर भक्तों पर व्यापक तौर से होता है। हालांकि चुनाव इस अनुपात में प्रभावित नहीं होते, लेकिन राजनीतिक दलों का फायदा जरूर होता है। अब राम रहीम को पैरोल पर छोड़ा गया है, तो एक अनिवार्य शर्त यह है कि वह चुनावी गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेगा। वह किसी भी दल या उम्मीदवार विशेष के पक्ष में कोई अपील जारी नहीं करेगा। क्या इन शर्तों पर कानून की कोई पहरेदारी मौजूद है? राम रहीम उप्र के बागपत के बरनावा स्थित आश्रम में मौजूद है। उसके जेल के बाहर आते ही डेरे की सूचना कमेटियों ने हरियाणा की संगत को 3 अक्तूबर को ब्लॉक स्तरीय 'नामचर्चा' करने के आदेश दिए हैं। माना जा रहा है कि इसमें डेरे की तरफ से किसी दल को समर्थन देने के संकेत दिए जा सकते हैं। यदि डेरे में हरियाणा की संगत जमा होती है, तो चुनावों की चर्चा भी संभव है। हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी, जेल प्रशासन और राज्य सरकार ने राम रहीम की पैरोल मंजूर की है और फिलहाल सभी 'भाजपाई' हैं। बीते 10 साल के शासन-काल में भी भाजपा की मेहर राम रहीम पर रही है, जाहिर है कि डेरे में भाजपा के पक्ष में बहुत कुछ प्रचारित किया जा सकता है। बेशक राम रहीम के मुंह से यह प्रचार सार्वजनिक न हो! दरअसल पैरोल या फरलो आपातकालीन होनी चाहिए।

स्वच्छता सिर्फ बाहरी नहीं, हमारे विचारों में भी होनी चाहिए : राष्ट्रपति

सिरोही (हिंस)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ बाहरी नहीं हमारे विचारों में भी होनी चाहिए। परमात्मा विचित्र है, हम भी विचित्र हैं। परमात्मा स्वच्छ स्वरूप है, हम भी स्वच्छ स्वरूप हैं। धरती पर आकर आत्मा में दाग लग जाते हैं। सामाजिक, मानसिक, भावनात्मक सभी आपस में जुड़े हुए हैं, इन सभी रूप में हमारा स्वस्थ होना जरूरी है। जब तक हमारा मन स्वच्छ, साफ नहीं होगा, जीवन में परिवर्तन नहीं होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन स्थित डायमंड हॉल में शुक्रवार सुबह 9.30 बजे राष्ट्रपति मुर्मु ने चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और ब्रह्माकुमारीज प्रमुख दादी रतनमोहिनी सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने ओम शांति के साथ संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि आज इस ग्लोबल समिट में शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है। आत्मा स्वच्छ, स्वस्थ हो तो सबकुछ हो जाता है। मानसरोवर में शिव बाबा के रूम में मुझे कुछ समय बिताने का समय मिला। साथ ही राजयोगी

ब्रह्मा कुमार भाई बहनों के साथ समय बिताने का समय मिला। आज राजयोगी निर्वर भाई की कमी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का मतलब अपने कर्म को शुद्ध और सात्विक बनाकर मन को संवारने का मार्ग है। दूसरों पर सवाल खड़े करने से पहले खुद के अंदर झांकने की प्रवृत्ति बढ़ानी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्था द्वारा यौगिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसलिए कहा जाता है जैसा अन्न वैसा मन। स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे हुए हैं। स्वच्छ जल को लेकर भारत सरकार द्वारा सराहनीय प्रयास किए गए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्मा कुमारी जेसे संस्थान समाज में स्वच्छ, स्वस्थ समाज के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। जब हम शांत होते हैं तभी हम दूसरों के प्रति प्रेम, शांति का भाव रख सकते हैं। ग्लोबल समिट से विश्व शांति के रास्ते निकलकर आएंगे। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि देश के 140 करोड़ लोग एक एक पेड़ लगाएं। इससे पर्यावरण सुधर जाएगा। एक-एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाएं। ब्रह्मा कुमार भाई बहिन विश्व शांति का प्रयास कर रहे हैं। 1937 से ये प्रयास जारी है। मुझे लगता है एक दिन जरूर विश्व का परिवर्तन होगा। आप चट्टान की तरह हो। विश्व को शांति लाने, परिवर्तन लाने में आपका प्रयास जरूर सफल होगा। राज्यपाल बागडे ने कहा कि यहां आकर आज बहुत आनंद की अनुभूति हो रही है। आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि हम अपने आप को जानते हुए कार्य करें तो सब सफल हो। ब्रह्मा कुमारीज बहुत ही अच्छे विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर रही है। समाज में नैतिकता का पतन हुआ है ऐसे में आध्यात्मिकता व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में व्यक्तिव विकास, जीवन की स्वच्छता, विचारों की स्वच्छता पर जोर दिया गया है। भारतीय संस्कृति वशुधेव कुटुम्बकम पर आधारित है। सभी सुखी रहे, सभी निरोग रहें। राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मेलन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, अध्यात्म का संदेश देने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। आध्यात्म का मार्ग संतुलन से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति का सबसे मजबूत पक्ष है सुरक्षा, संरक्षा और सहयोग। सम्मलेन में होने वाले सार्थक सत्र के लिए बधाई शुभकामनाएं।

जयपुर सहित देशभर के एक सौ से अधिक एयरपोर्ट को मिला धमकी भरा मेल

मेल में लिखा कि रिजल्ट के लिए तैयार रहे, सब जगह होगा बूम-बूम

जयपुर (हिंस)। जयपुर एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के सौ से अधिक एयरपोर्ट की सुरक्षा की चुनौती देने का धमकी भरा मेल मिलने से एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कंप मच गया। शुक्रवार दोपहर बाद यह धमकी भरा मेल एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की ऑफिशियल आईडी पर भेजा गया है। मेल में लिखा कि रिजल्ट के लिए तैयार रहे और सब जगह होगा बूम...बूम...बूम। धमकी का मेल मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा जवानों के साथ ही बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने एयरपोर्ट पर ऑपरेशन चलाकर सर्च किया, लेकिन कहीं कुछ भी नहीं मिला। तब जाकर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट थाने को भी शिकायत दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर टीम भी जांच में जुट गई है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बाद एयरपोर्ट पर

सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर धमकी भरा मेल मिला है। जयपुर एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के सौ से अधिक एयरपोर्ट पर धमकी भरा मेल किया गया है। अज्ञात व्यक्ति के धमकी के मेल के बाद सुरक्षाबल के साथ एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। इसके बाद एयरपोर्ट पर तैनात जवान, पुलिस टीम, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड सहित सीआईएसएफ की टीम ने टर्मिनल-टू पर सर्च ऑपरेशन चलाया। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर की टीमें मेल भेजने के बारे में जानकारी कर रही है। एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की मेल पर भेजे धमकी भरे मेल में लिखा गया कि हम अकेले हैं, जो पूरी दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों और लोगों से टक्कर लेते हैं। हमने सबको फ्रस्टेशन में डाल दिया है, रिजल्ट के लिए तैयार रहे। सब जगह होगा, बूम...बूम...बूम...बूम। ऑल द बेस्ट। साइबर की टीमें मेल भेजने वाले को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है।

अवेकन : नशे के खिलाफ युवा शक्ति की हुंकार

युवाओं का प्रदेशव्यापी अभियान शुरू

जयपुर (हिंस)। *नशा* जिसने पंजाब को *उड़ता पंजाब* बना दिया। अब वह राजस्थान में भी पैर पसार रहा है। खासकर पंजाब से लगते हुए श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में हालत बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में नशे के खिलाफ राजस्थान के कांग्रेस के युवा नेता अभिषेक चौधरी ने *अवेकन: एक युद्ध नशे के विरुद्ध* प्रदेशव्यापी अभियान की शुरुआत की है। शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती पर जयपुर में इस अभियान की लांचिंग की गई और महात्मा गांधी की जयंती पर श्रीगंगानगर में इस अभियान के तहत कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। अभिषेक चौधरी का कहना है कि महात्मा गांधी ने जब पहली बार आजादी को लेकर आंदोलन किया था तब उन्होंने कहा था कि जब तक लोग नशा नहीं छोड़ेंगे तब तक वो देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां नहीं समझ पाएंगे। इसलिए देश को पहले नशे से आजादी की जरूरत है। ऐसे में इस अभियान के जरिए अभिषेक चौधरी कभी नुक्कड़ नाटक के जरिए नशे के खिलाफ रचनात्मक मैसेज देने का काम कर रहे हैं तो कभी मशाल जुलूस के माध्यम से नशे के खिलाफ युवाओं की आवाज बुलंद करने का काम कर रहे हैं। अभिषेक चौधरी ने बताया कि नशा मुक्ति के इस अभियान को लेकर वह हर एक जिले, गांव, कस्बे में जाएंगे और रचनात्मक तरीके के कार्यक्रमों के जरिए बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे।

आओ मिलकर करें अजमेर में पर्यटन विकास : देवनानी

अजमेर (हिंस)। अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील में अब मुंबई के समुद्र की सैर का सा अहसास होगा। देसी व विदेशी पर्यटकों को डबल डेकर क्रूज में बैठ कर अजमेर के आनासागर झील में सैर का लुत्फ मिलेगा। पर्यटन प्रेमी सैलानियों के लिए आनासागर झील में डबल डेकर क्रूज में बैठ कर चाय की चुसकी लेने की शुरुआत हो चुकी है। यह राजस्थान और देश का पहला इलेक्ट्रिक क्रूज है। शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत, और मेयर ब्रजलता हाड़ा सहित अन्य अतिथियों ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस क्रूज के माध्यम से अजमेर में पर्यटन व्यवसाय का विकास होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी क्रूज का उद्घाटन करते हुए कहा कि आओ मिलकर अजमेर में पर्यटन उद्योग का विकास करें। उन्होंने इस मौके पर क्रूज के मालिक और संचालक जे पी दाधीच, सरदार रणवीर सिंह

खुराना और उनकी टीम व नगर निगम के अधिकारियों को बधाई दी। देवनानी ने कहा कि अजमेर के विकास में अड़ंगे लगाने वालों को इस क्रूज के झील में संचालन से सीधा संदेश मिल गया होगा। अजमेर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ गया है। यहां पर्यटन उद्योग की विपुल संभावना है। इस क्रूज के कारण सैलानियों को अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील में सैर सपाटा करने यहां की अरावली पहाड़ियों का मनभावन नजारा देखने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि नगर निगम ने इस क्रूज के संचालन का ठेका गीता मार्बल प्राइवेट लिमिटेड को 67 लाख रुपए सालाना में दिया है, जिसमें हर साल 10 प्रतिशत वृद्धि की प्रक्रिया भी रखी गई है। क्रूज के निर्माण पर लगभग पांच करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस क्रूज से पर्यटक आनासागर झील में 45 मिनट का राउंड ले सकते हैं, जिसका प्रति व्यक्ति शुल्क 300 रुपए रखा गया है। साथ ही, इसे निजी पार्टियों और सेलिब्रेशन के लिए भी बुक किया जा सकता है। इस क्रूज का निर्माण गोवा की बोट क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा किया गया है, जो इसे विशेष बनाता है। क्रूज का संचालन करने वाली संस्था के जेपी दाधीच ने बताया कि क्रूज के प्रथम और द्वितीय तल पर 75-75 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है। छत पर खुले रेस्टोरेंट का आनंद लिया जा सकता है। क्रूज के सफर के लिए वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग भी करवाई जा सकती है।

हरियाणा विस चुनाव आज, दो करोड़ मतदाता करेंगे 1031 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के लिए शनिवार को होने वाले में मतदान में राज्य के मतदाता अपना जनादेश देंगे। प्रदेश के दो करोड़ तीन लाख मतदाता चुनावी रण में उतरे 1031 प्रत्याशियों के भाग्य विधाता बनकर इनमें से 90 को विधानसभा के भीतर भेजने का काम करेंगे। शनिवार को प्रदेश के 90 विधानसभा हलकों में होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंच चुकी हैं। राज्य में सुबह सात बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू होगी और शाम छह बजे तक जो लोग लाइनों में खड़े होंगे, वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों पर 1031 प्रत्याशियों ने चुनावी ताल ठोकी है। इनमें 930 पुरुष व 101 महिलाएं शामिल हैं। हालांकि 462 प्रत्याशी निर्दलीय तौर पर चुनावी मैदान में हैं। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में 67.74 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार चुनाव आयोग ने पिछले चुनाव के मुकाबले 75 फीसदी मतदान का लक्ष्य रखा है। चुनाव आयोग की ओर से 20629 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। प्रदेश में लगाई गई 27 हजार 866 मशीनेंचुनावों के लिए रिजवर्ड ईवीएम सहित कुल 27 हजार 866 ईवीएम (बैलेट यूनिट) का उपयोग होगा।

5600 करोड़ के ड्रग केस में कांग्रेस के बड़े नेता की संलिप्तता शर्मनाक, शाह की पोस्ट को नायब सैनी ने किया रिपोस्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 5600 करोड़ रुपए के ड्रग केस को लेकर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट *एक्स* पर लिखा कि एक ओर जहां मोदी सरकार नशामुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5, 600 करोड़ रुपए की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के नेता अपने राजनीतिक रसूख का उपयोग कर युवाओं को ड्रग्स के दलदल में फंसाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन मोदी सरकार ने दृढ़ संकल्प लिया है कि कांग्रेस के इन नापाक मंसूबों को कभी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ड्रग्स के कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे वह कितनी भी बड़ी राजनीतिक शक्ति रखते हों। शाह ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य *नशामुक्त भारत* है, और हम इस दिशा में हर संभव कदम उठा रहे हैं। हमारे युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बना रहे। हम अपील करते हैं कि देश की जनता इस गंभीर मामले पर जागरूक रहे और अपने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सरकार का साथ दें। मोदी सरकार इस दिशा में दृढ़ संकल्पित है और नशामुक्त भारत बनाने के लिए कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पोस्ट को *एक्स* पर रि पोस्ट करते हुए कहा है कि 5, 600 करोड़ रुपए के ड्रग्स रैकेट में कांग्रेस पार्टी और हरियाणा के एक राजनीतिक परिवार द्वारा संरक्षण के सबूत बेहद खतरनाक हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि राजनीतिक रसूख की बदौलत ये परिवार क्या ड्रग कारोबारियों को बचा रहा था? या फिर इतने बड़े ड्रग रैकेट से आने वाला अकूत धन हरियाणा के चुनाव में इस्तेमाल हो रहा है?

बिहार : सीबीआई ने एनआईए के डीएसपी को 20 लाख रिश्वत मामले में किया गिरफ्तार

पटना/गया (हिंस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के पटना शाखा में कार्यरत पुलिस उपाधीक्षक अजय प्रताप सिंह एवं दो मध्यस्थ व्यक्तियों को 20 लाख रुपए रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया है कि इस मामले में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व विधान परिषद सदस्य के बेटे रॉकी से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई है। इस केस के आईओ अजय प्रताप सिंह थे। यह मामला तब प्रकाश में आया जब सीबीआई को इस संदर्भ में सूचना मिली और उन्होंने तुरंत जांच शुरू की। सीबीआई ने पटना में इस मामले की जांच करते हुए डीएसपी को रंगे हाथों पकड़ा। इसके साथ दो अन्य एजेंटों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो इस भ्रष्टाचार में शामिल थे। एनआईए और सीबीआई ने जाल बिछाया, जिसमें अजय प्रताप फंस गए और उन्हें रिश्वत लेते धर दबोचा गया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के बेटे रॉकी यादव की कंपनी और ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी की थी। इस दौरान डेढ़ करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद हुई थी। इस केस के आईओ डीएसपी अजय प्रताप सिंह थे। इसी मामले मे वे अपने एजेंटों के माध्यम से रिश्वत लेने की कोशिश कर रहे थे। उनके द्वारा लगातार रिश्वत का दबाव बनाए जाने के बाद रॉकी ने सीबीआइ से शिकायत की। इसके बाद सीबीआई ने कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआइ के अनुसार रॉकी यादव ने लिखित शिकायत में कहा था कि बीते 19 सितंबर को उसके ठिकानों

पर एनआईए ने छापेमारी की थी। इस छापे के बाद एनआईए डीएसपी की एक नोटिस उन्हें मिली, जिसमें 26 सितंबर को एनआईए कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया गया था। वह 26 सितंबर को आइओ के समक्ष उपस्थित हुआ। उसने आरोप लगाया कि यहां पूछताछ के दौरान उसे तथा उसके परिवार के लोगों को अलग-अलग तरह के झूठे मुकदमों में फंसा देने की धमकी दी गई और ढाई करोड़ की रिश्वत की मांग की गई। परिवार को बचाने के लिए वह रिश्वत देने को तैयार हो गया। इसके बाद उसे एक अक्तूबर को बुलाया गया और 70 लाख की मांग की गई, जिसे उसी दिन पटना में देने कहा गया। रॉकी ने शिकायत में कहा कि उसने इसके लिए समय की मांग की और तीन अक्तूबर को गया में रिश्वत देने की बात तय हुई। राकी की शिकायत की जानकारी एनआईए को भी दी गई। इसके बाद सीबीआई ने गया, पटना और वाराणसी में छापेमारी की। इस दौरान कई दस्तावेज, गैजेट्स तथा घूस की 20 लाख की रकम बरामद की गई।

मीरजापुर सड़क हादसे का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए निर्देश

मीरजापुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत की घटना सामने आई है। तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार 13 लोगों में 10 की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। घायलों का बेहतर उपचार के साथ मृतकों के परिवारीजनों को हर संभव मद्द का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मीरजापुर के कछवा थाना क्षेत्र के कटका पड़ाव के पास वाराणसी-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर गुरुवार की देर रात एक बजे तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही ट्रैक्टर में सवार 10 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। तीन को गंभीर हालत के चलते प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रामा सेंटर में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना को लेकर छानबीन कर दी है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को घटना में सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली में ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 10 की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसे में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चालक की तलाश के साथ पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य कराते हुए घायलों का बेहतर उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

अमेठी में अध्यापक, पत्नी और दो बच्चियों की गोली मारकर हत्या

अमेठी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी में एक अध्यापक, उसकी पत्नी और दो बच्चियों की देर शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अमेठी जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अहोरवा भवानी चौराहे के पास किराए के मकान में रहने वाले 35 वर्षीय दलित अध्यापक सुनील कुमार और उनकी पत्नी तथा दो छोटी-छोटी बच्चियों की देर शाम गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई। जब तक घर के अंदर पुलिस और स्थानीय लोग दाखिल हुए तब तक बदमाश हत्या कर फरार होकर चुके थे। उल्लेखनीय है कि मृतक अध्यापक सुनील कुमार रायबरेली जनता की सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जगतपुर गांव का रहने वाला था। यह पनहौना कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत था। बताया जा रहा है कि रामगोपाल के दो पुत्र थे। सुनील की पत्नी पूनम भारती के द्वारा रायबरेली जिले में 18 अगस्त को अश्लील हरकत करने और मारपीट के मामले सहित एससी एसटी एक्ट में चंदन वर्मा के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया। लेकिन पुलिस के द्वारा उसका 151 में चालान करते हुए मामले को रफा दफा कर दिया गया था। इसके बाद आज इस तरह की बड़ी घटना घटी है। अब पुलिस सहित सभी लोगों की निगाह चंदन वर्मा की ऊपर टिकी हुई है। अमेठी पुलिस और एसओजी टीम के साथ-साथ नगर कोतवाली रायबरेली की पुलिस भी चंदन वर्मा की तलाश में लगी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई के आदेश भी दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद अमेठी के जिलाधिकारी निशा अनंत और पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के साथ मौके के घटनास्थल पर पहुंचे। आईजी जोन अयोध्या प्रवीण कुमार और एडीजी जोन लखनऊ एसबी सिरोड़कर ने घटनास्थल पर पहुंचकर लगभग एक घंटे जांच पड़ताल करते हुए प्रत्येक एंगल से घटना पर मंथन किया। इस दौरान आईजी जोन अयोध्या प्रवीण कुमार ने बताया कि हमारी फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया है। गहनता से जांच करने के उपरांत पता चला कि कोई जबरदस्ती नहीं घुसा है। एक ही दरवाजा है जिधर से बदमाश घुसे हैं।

बिहार के मुजफ्फरपुर में बाढ़ पीड़ितों ने एनएच-77 पर लगाया जाम

पटना (हिंस)। उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या (एनएच-77) पर शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों ने टायर जलाकर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। आक्रोशित लोगों का कहना था कि हमारी सुनने वाला कोई नहीं है। इसलिए सड़क पर जिंदगी काट रहे हैं और जिला प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। लोगों का आरोप है कि बाढ़ पीड़ितों को खाना खिलाने से पहले आपदा प्रबंधन और मुजफ्फरपुर ओराई के पदाधिकारी ने अंगूठे का निशान लगवाया। बिना अंगूठा लगाये किसी को खाना तक नहीं दिया गया। इसी बात से लोग गुस्सा हो गए। बिहार में बाढ़ के बीच प्रशासन की बेरुखी से गुस्साए बाढ़ पीड़ितों ने बांस-बल्ली लगाकर बीच सड़क पर टायर जलाया और मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रोड पर जाम लगा दिया। उग्र बाढ़ पीड़ितों ने इस दौरान पुलिस को खदेड़ा और पथराव किया। पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को भेजा गया है। इस दौरान आक्रोशित बाढ़ पीड़ितों ने

सरकार और उनके अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। लोगों का कहना था कि ये लोग सिर्फ फोटो खिंचवाने आते हैं लेकिन मदद नहीं करते। बाढ़ पीड़ितों के लिए किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। अधिकारी भी फोटो खींचवाने में मशगूल रहते हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार में करीब 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। मुजफ्फरपुर जिले में भी बाढ़ से कई प्रखंड के दर्जनों गांव प्रभावित हैं। इसी बीच सरकार के तरफ से दी जाने वाली बाढ़ पीड़ितों को राहत की कोई मुकम्मल व्यवस्था मुजफ्फरपुर में नहीं है, जिसके कारण मुजफ्फरपुर में बाढ़ पीड़ितों का गुस्सा अचानक फुट पड़ा। मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि से औराई, कटरा और गायघाट प्रखंड के तकरीबन दो दर्जन से अधिक पंचायत पूरी तरह से बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ पीड़ित लोग ऊंचे स्थानों के साथ-साथ मुख्य सड़कों पर आशियाना बनाए हुए हैं। कई जगहों पर प्रशासन ने जो व्यवस्था की है वो मुकम्मल नहीं है। हालांकि, दो दिनों में बागमती नदी के जलस्तर में आई कमी के बाद लोगों ने ठीक से राहत की सांस ली भी नहीं थी कि औराई प्रखंड के रामखेतारी पंचायत में लखनदेई नदी का तटबंध टूट गया, जिससे तकरीबन एक दर्जन पंचायत बाढ़ से प्रभावित हो गए। सीतामढ़ी में बीते दिनों बागमती नदी का तटबंध टूट गया था, जिसके आगोश में मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड के कई पंचायत आ गए थे। औराई प्रखंड के लोगों को नदियों के त्रासदी का सामना करना पड़ा है। ऐसे में लोग पिछले कई दिनों से मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी एनएच 77 को अपना आशियाना बना रखे हैं।

आने वाले दशकों में बड़े स्तर पर भारतीयों का जीवन स्तर बदलेगा : सीतारमण

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में अपने प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर लेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने शुक्रवार को राजधानी के ताज पैलेस होटल में आयोजित कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है।

सीतारमण ने कहा कि भारत के बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और लचीलापन, परिसंपत्ति गुणवत्ता सुधार, खराब ऋणों के लिए बेहतर प्रावधान, निरंतर पूंजी पर्याप्तता और लाभप्रदता में वृद्धि पर निरंतर नीतिगत ध्यान द्वारा समर्थित है। उन्होंने कहा कि एनपीए अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर पर है, बैंकों के पास अब कुशल ऋण वसूली तंत्र हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि वित्तीय प्रणाली स्वस्थ बनी रहे और चक्र लंबे समय तक चले, हमारी एक और मुख्य नीतिगत प्राथमिकता है। इस अवसर पर 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सांसद एनके सिंह भी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय के साथ साझेदारी में आर्थिक विकास संस्थान द्वारा आयोजित कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) का तीसरा संस्करण 4-6 अक्टूबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन शामिल होंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। वहीं, केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर समापन भाषण देंगे, जबकि भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेके दोरजी भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल-ईरान जंग का असर, कच्चे तेल की कीमत में उछाल, ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उछाल है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य करीब चार डॉलर प्रति बैरल उछलकर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.05 डॉलर यानी 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 77.67 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.08 डॉलर यानी 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 73.79 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

महिंद्रा ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में प्रवेश किया

मुंबई । घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन जियो को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की एक अधिकारी ने कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी का एक प्रतिशत ही अभी इलेक्ट्रिक है जबकि तिपहिया श्रेणी में यह अनुपात लगभग 20 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इस अनुपात को बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक छोटे वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की जीतो के साथ पहले से ही 14-15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। मिश्रा ने बताया कि कंपनी को इस मॉडल की लगभग 12,000 इकाइयों के ऑर्डर पहले ही मिल चुके हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

वेदांता की दूसरी तिमाही में एल्युमीनियम, जस्ता,उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में उसके एल्युमीनियम, जस्ता और लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि हुई है। हालांकि, तिमाही के दौरान इस्पात, विदेशों में खनन धातु और तेल व गैस का उत्पादन घटा। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एल्युमीनियम उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में तीन प्रतिशत बढ़कर 6,09,000 टन हो गया। जिंक इंडिया में बिक्री योग्य धातु उत्पादन 2,41,000 टन से बढ़कर 2,62,000 टन हो गया। जिंक इंटरनेशनल में खनन धातु उत्पादन 34 प्रतिशत घटकर 44,000 टन रह गया, जो दूसरी तिमाही में 66,000 टन था।इस बीच, तेल व गैस उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 1,04,900 बीओईपीडी (प्रतिदिन तेल समतुल्य बैरल) रह गया, जो तिमाही के दौरान औसत दैनिक सकल प्रचालित उत्पादन है, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही के 1,34,100 बीओईपीडी से कम है। विक्रय योग्य लौह अयस्क का उत्पादन एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 12 लाख टन से बढ़कर 13 लाख टन हो गया। कुल बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 2,96,000 टन रह गया तथा बिजली की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 432.2 करोड़ इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 404.7 करोड़ इकाई थी।

पांच कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दी स्टॉक मार्केट में दस्तक

सहस्र इलेक्ट्रॉनिक्स ने पहले दिन ही कराया डबल का मुनाफा

सुस्त लिस्टिंग से फोर्ज ऑटो इंटरनेशनल ने निवेशकों को किया निराश

नई दिल्ली।
मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान लगातार उतार चढ़ाव बना रहा। इसी दौरान 5 कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए शेयर बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लिस्ट होने वाली 5 में से 4 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के साथ ही अपने निवेशकों को मुनाफा दिलाने में सफल रहे, जबकि 1 कंपनी का शेयर लिस्टिंग के बाद गिरावट का शिकार हो गया। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स की डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग करने वाली कंपनी सहस्त्र इलेक्ट्रॉनिक्स सॉल्यूशंस के शेयर की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 283 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे लेकिन इनकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 537.70 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 564.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों के पैसे पहले दिन ही लगभग डबल हो गए। कंपनी के आईपीओ को ओवरऑल 122.06 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन मिला था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 100.80 गुना, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 260.46 गुना और रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 74.85 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रीसाइकिल्ड पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर और रीसाइकिल्ड पैलेट्स बनाने वाली कंपनी दिव्यधन रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज के शेयर ने भी आईपीओ निवेशकों को बढ़िया मुनाफा कराया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 64 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 31.25 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 84 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये शेयर थोड़ी ही देर में 88.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशक पहले दिन ही 37.81 प्रतिशत के मुनाफे में रहे। दिव्यधन रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज के 24.17 करोड़ रुपये के आईपीओ को इन्वेस्टर्स की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। इसके कारण ये ओवरऑल 40.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 37.76 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी। लिस्ट होने वाली तीसरी कंपनी पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री में कारोबार करने वाली कंपनी नेक्सस पेट्रो इंडस्ट्रीज रही। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 105 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे लेकिन इनकी लिस्टिंग 126 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 132 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। नेक्सस पेट्रो इंडस्ट्रीज का 19.43 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आईपीओ को 8.44 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वेल्डिंग कंज्यूमेबल वियर प्लेट, पार्ट्स और हेवी मशीनरी बनाने वाली कंपनी डिफ्यूजन इंजिनियर्स ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग के जरिए जोरदार दस्तक दी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 168 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे लेकिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी 188 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 193.50 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को कारोबार की शुरुआत होते ही लगभग 15 प्रतिशत लिस्टिंग गेन का फायदा मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में बीएसई पर ये शेयर 197.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। लिस्ट होने वाली कंपनियों में से फोर्ज ऑटो इंटरनेशनल की लिस्टिंग काफी सुस्त रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर सिर्फ 5 प्रतिशत के प्रीमियर के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 108 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे जबकि इनकी लिस्टिंग 113 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर आईपीओ प्राइस 108 रुपये से भी नीचे गिरकर 107.50 रुपये के स्तर तक लुढ़क गया। इस तरह आईपीओ आईपीओ निवेशकों को जो 5 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिला था, वो भी खत्म हो गया।

गूगल पे से मिलेगा अब गोल्ड लोन, भारत में मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल की पार्टनरशिप

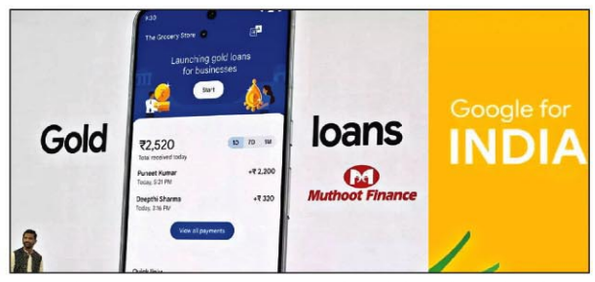

नई दिल्ली ।
टेक कंपनी गूगल पे बड़ी तेजी के साथ भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो कई तरह की सेवाओं को उपलब्ध कराएगी। 3 अक्टूबर को गूगल ने अपने वार्षिक इवेंट में गूगल पे के माध्यम से गोल्ड लोन उपलब्ध कराने की सेवा शुरू कर दी है। इसके लिए मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल पे ने पार्टनरशिप की है। गूगल पे ने लोन लिमिट को 5 लाख रूपये तक बढ़ा दिया है। गूगल इवेंट का यह दसवां साल है। भारत में यह आठ भाषाओं में सेवाएं उपलब्ध करा रही है। गूगल और अडानी समूह में पार्टनरशिप गूगल ने भारत में अदानी समूह के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर विंड हाइब्रिड प्लांट,राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट, कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाने का अनुबंध किया है। गूगल 2026 तक भारतीय ग्रिड में 186 मेगावाट की न्यू क्लीन एनर्जी, जेनरेशन कैपेसिटी से जुड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। एआई में गूगल का धमाका गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो भारतीय युवाओं के लिए नौकरी के लिए विभिन्न किस्म के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर आ रहा है। यूट्यूब, गूगल, क्लाउड स्किल्ड प्रोग्राम फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रशिक्षण कोर्स अंग्रेजी तथा 7 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में गूगल काम कर रहा है। गूगल ऑनलाइन पेमेंट भारत में गूगल अपनी ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए हर स्तर पर हाथ पैर मार रहा है। यूपीआई सर्कल के जरिए वह भारतीय उपभोक्ताओं तक सीधा जुड़ने का प्रयास कर रहा है। 2030 तक 33 लाख करोड़ का लक्ष्य गूगल इंडिया के एमडी का कहना है, वह एआई के माध्यम से वर्ष 2030 तक भारत में 33 लाख करोड रुपए के आर्थिक लेनदेन के लक्ष्य के लिए काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की सेवाओं का विस्तार अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में करने की योजना गूगल ने तैयार की है। गूगल भारत में सबसे बड़ा प्लेयर बनने के लिए भारत की छोटी कंपनियों के साथ भागीदारी सिस्टम को विकसित कर रहा है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका गूगल के यूपीआई की होगी। इस पेमेंट माध्यम से वह भारत के हर घर में घुसने की कोशिश कर रहा है।

जेफ बेजोस को पछाड़ कर दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बने मार्क जकरबर्ग

नई दिल्ली।
सोशल मीडिया कंपनी मेटा (फेसबुक) के को-फाउंडर और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि अमेजन के अध्यक्ष और पूर्व सीईओ जेफ बेजोस को पछाड़ कर हासिल की है। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स की ओर से शुक्रवार को जारी सूची के मुताबिक जुकरबर्ग की कुल संपत्ति 3 अक्टूबर को 206.2 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि के कारण जुकरबर्ग संपत्ति के मामले में जेफ बेजोस से 1.1 अरब डॉलर आगे निकल गए, जिनकी कुल संपति 205.1 अरब डॉलर से ऊपर है। हालांकि, जुकरबर्ग दुनिया के सबसे अमीर शख्स टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से करीब 50 अरब डॉलर पीछे हैं।

इस सूची में पहले नंबर पर एलन मस्क, दूसरे नंबर पर मार्क जुकरबर्ग और तीसरे नंबर पर जेफ बेजोस का नाम है। वहीं, टॉप 10 सबसे अमीर लोगों की सूची में बर्नार्ड अर्नाल्ट, लैरी इल्लीजन, बिल गेट्स, लैरी पेज, स्टीव बॉलमर, वॉरेन बफे और सर्गी ब्रिन शामिल हैं। भारत की बात करें तो मुकेश अंबानी 107 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ 14वें नंबर पर हैं। गौतम अडानी उनसे कुछ पायदान नीचे 17वें स्थान पर इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं। मौजूदा समय में उनकी कुल संपत्ति 100 अरब डॉलर है।

लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली।
नवरात्रि के दूसरे दिन भी घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये से लेकर 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये से लेकर 71,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम

और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज तेजी आने की वजह से सोना महंगा हो गया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करते नजर आए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,699.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.04 प्रतिशत फिसल कर 17,918.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत टूट कर 41,935.97 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,282.52 अंक के स्तर पर बंद

हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 99.81 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,477.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 149.34 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूट कर 19,015.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे हैं। चीन के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 108 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,416 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.33 प्रतिशत टूट कर 22,315.94 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत लुढ़क कर 1,436.84 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,502.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,626.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 3,584.43 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 326.15 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,439.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,570.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

7 साल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी; पुरुषों और महिलाओं की फ्रेंचाइजी का किया अनावरण

नई दिल्ली।
हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 7 साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक वापसी करने के लिए तैयार है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर एचआईएल 2024-25 के लिए फ्रेंचाइजी की घोषणा की। लीग में 8 पुरुषों की टीमें और 6 महिलाओं की टीमें शामिल होंगी, यह पहली बार होगा कि एक महिला लीग पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी।

खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक

एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी 24 खिलाड़ियों की एक टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल होंगे।

दो स्थानों पर होंगे एचआईएल 2024-25 के मैच

एचआईएल 2024-25 के मैच दो स्थानों - मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, रांची, झारखंड और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम, राउरकेला, ओडिशा - में खेले जाएंगे, जिसमें महिलाओं का लीग फाइनल 26 जनवरी 2025 को रांची में और पुरुषों का फाइनल होगा। फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा।

पुरुषों की फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1. चेन्नई - चार्ल्स ग्रुप
2. लखनऊ - यदु स्पोर्ट्स
3. पंजाब - जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
4. पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स
5. दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
6. ओडिशा - वेदांता लिमिटेड
7. हैदराबाद - रेसोल्यूट स्पोर्ट्स
8. रांची - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

महिला फ्रेंचाइजी और उनके मालिकों की सूची

1. हरियाणा - जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स
2. पश्चिम बंगाल- श्राची स्पोर्ट्स
3. दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट
4. ओडिशा-नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड

आने वाले दिनों में कानूनी कार्यवाही बंद होने के तुरंत बाद दो महिला फ्रेंचाइजी की घोषणा की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

महिला टी 20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका की टीम पहनेगी विशेष जर्सी, प्रियजनों के नाम होंगे अंकित

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान अपने करीबी दोस्तों और परिवार को समर्पित विशेष अनुकूलित शर्ट पहनकर मैदान में उतरेंगे। खिलाड़ी जब मैदान में उतरेंगे तो उनकी प्लेइंग शर्ट पर उनके जीवन के अधिकतम पांच महत्वपूर्ण लोगों के नाम अंकित होंगे, ताकि वह घर पर अपने सबसे प्रिय और समर्थित मित्रों और परिवार की याद दिला सके। नाम प्रत्येक खिलाड़ी की शर्ट के कॉलर और नीचे की हेम के अंदर दिखाई देंगे। दक्षिण अफ्रीका की विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता का मानना है कि यह पहल एक उत्कृष्ट विचार है। जाफ्ता ने कहा, यह एक विशेष पहल है। जब मैं नीचे देखती हूं और उन लोगों के नाम पढ़ती हूं जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, तो यह मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उन लोगों की याद दिलाता है जो पहले दिन से मेरे लिए मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट - जो संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप में पहली बार प्रोटियाज की कप्तानी करेंगी - ने कहा, टूर्नामेंट के दौरान घर का एक टुकड़ा अपने साथ ले जाने से मुझे ताकत मिलती है। मुझे पता है कि मैं वहां अकेली नहीं हूं; मेरे प्रियजन पूरी तरह से मेरे साथ हैं। दक्षिण अफ्रीका अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दुबई में करेगा।

आईएसएल फुटबॉल में ओडिशा एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी का मुकाबला बराबरी पर रहा

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी का यहां खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी से मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। इस प्रकार दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। इस रोमांचक मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स की ओर से नौहा सदौई ने 18वें और हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे। दूसरी ओर ओडिशा एफसी की ओर से मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ ने गलती से 29वें मिनट में एक आत्मघाती गोल कर दिया। वहीं डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में एक गोल किए। इस प्रकार मुकाबला बराबरी पर आ गया। अब ओडिशा एफसी चार मैचों के बाद एक जीत, एक ड्रा और दो हार के साथ ही चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार के साथ ही कुल पांच अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर फिसल गयी है।

टी20 महिला विश्व कपः श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले के लिए लिचफील्ड की ऑस्ट्रेलियाई टीम में हो सकती है वापसी

शारजाह। ऑस्ट्रेलिया की टीम महिला टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में शनिवार को श्रीलंका से खेलेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को उभरती हुई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद है। लिचफील्ड कमर दर्द के कारण इससे पहले हुए दोनों ही अभ्यास मैचों से बाहर रहीं हैं पर उसके श्रीलंका के खिलाफ इस टी20 मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है। लिचफील्ड के खेलने की उम्मीद इसलिए है क्योंकि उसने प्रशिक्षण में भाग लिया जिससे उसके चयन की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। वहीं लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों से बाहर रहना कठिन था पर अब में बेहतर अनुभव कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली बार यहां कोई मैच खेलने जा रही है। जिसके कारण उसके लिए यहां श्रीलंकाई गेंदबाज परेशानी खड़ी कर सकते हैं। यहां शुरुआती मैच में स्पिनर हावी रहे हैं। दो मैचों में स्पिनरों ने कुल 22 विकेट लिए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया कि हालात धीमी गति के गेंदबाजों के अनुरुप होंगे। लिचफील्ड ने कहा, मेरे लिए, यह पल में बने रहने और जितनी जल्दी हो सके हालातों को समझने के बारे में है। शारजाह एक चुनौती होने जा रहा है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। इस मैच में लेग स्पिनर एलाना किंग और ग्रेस हैरिस को भी अवसर मिल सकता है। एलाना जहां लेग स्पिनर हैं, वहीं ग्रेस स्पिन ऑलराउंडर हैं।

लीजेंड्स लीग क्रिके-2024

मणिपाल टाइगर्स ने सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद को रहाया

जम्मू।
कप्तान हरभजन सिंह की टीम मणिपाल टाइगर्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एक रोमांचक सुपर ओवर मुकाबले में टॉयम हैदराबाद को हरा दिया इसी के साथ ही मणिपाल ने इस टूर्नामेंट में पहला मुकाबला जीता है। इस मैच में निर्धारित 20 ओवरों में दोनो ही टीमों ने 7 विकेट पर 144 रन बनाए थे। सुपर ओवर में टॉयम हैदराबाद ने 2 विकेट पर केवल 4 रन बनाए। वहीं इसके बाद मणिपाल टीम ने तेजी से 3 गेंदों में 9 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में मणिपाल टाइगर्स की ओर से पहले बल्लेबाजी करने हुए फिल मस्टर्ड और मनोज तिवारी ने पहले विकेट के लिए 20 रन बनाये। थिसारा पेरेरा 48 रन बनाकर नाबाद रहे। मणिपाल ने 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाये। टॉयम हैदराबाद की ओर से बिपुल शर्मा (2/20) और गुरकीरत सिंह (2/24) सबसे सफल गेंदबाज रहे। नुवान प्रदीप और इसुरु उदाना ने पारी में एक-एक विकेट लिया।

वहीं जीत क लिए 145 के लक्ष्य का पीछा करते हुए,शॉन मार्श के 35 गेंदों में 38 रन की शानदार पारी और कप्तान गुरकीरत सिंह मान के 35 गेंदों में 37 रन की सहायता से टॉयम हैदराबाद ने भी सात विकेट पर 144 रन बनाये। मणिपाल टाइगर्स के लिए राहुल शुक्ला ने (2/48) ने पारी में दो विकेट लिए। वहीं प्रवीण गुप्ता (1/21), असेला गुणरत्ने (1/16) और ओबुस पिएनार (1/12) ने भी एक-एक विकेट लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा। इसमें टॉयम हैदराबाद ने सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 गेंदों में केवल 4/2 रन बनाए। इसके आद केवल 5 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए थिसारा परेरा और डेनियल ने केवल तीन गेंदों में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार

मुम्बई। भारतीय टीम अब 6 अक्टूबर से बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलने उतरेगी। इसका पहला मैच 6 अक्टूबर से शुरु होगा। टेस्ट सीरीज की तरह ही इसमें भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनो ही टीमों के बीच अभी तक 14 टी20 मैच हुए हैं जिसमें बांग्लादेश ने केवल एक ही मैच जीता है। वहीं भारतीय टीम ने 13 मैच जीते हैं। दोनों ही टीमों के बीच अंतिम टी20 मुकाबला इसी साल जून में हुआ था जिसे भारतीय टीम ने जीता था। वहीं भारतीय टीम को अबतक केवल एक हार साल 2019 में मिली थी। यह मैच दिल्ली में हुआ था और भारतीय टीम ने इसमें 6 विकेट खोकर 148 रन बनाए थे। इसके बाद बांग्लादेश ने केवल तीन विकेट के नुकसान पर ही ये लक्ष्य प्राप्त कर लिया था। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक रन रोहित शर्मा के नाम हैं। रोहित ने 13 मैचों में 36.69 की औसत के साथ 477 रन बनाए हैं। रोहित हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कारण अब भारतीय टीम में नहीं हैं। वहीं, बांग्लादेश की ओर से सब्बीर रहमान ने भारत के खिलाफ 6 टी20 मैचों में सबसे अधिक 236 रन बनाए हैं। दोनो देशों के बीच टी20 सीरीज में सबसे अधिक 9 विकेट युजवेंद्र चहल ने लिए हैं। चहल ने 6 मैचों में यह विकेट लिए हैं। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ एक टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट दीपक चाहर के नाम 8 विकेट हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश की बात करें तो तेज गेंदबाज अल-अलीम-हुसैन ने भारतीय टीम के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे अधिक 8 विकेट लिए हैं। यह विकेट उन्होंने 7 मैचों में लिए हैं। इस बार भारतीय टीम में रोहित के अलावा विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर रहेगा।

ग्लोबल शतरंज लीग 2024

अर्जुन और प्रज्ञानानंद के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला ड्रॉ

लंदन।
टेक महिंद्रा ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे संस्करण के सबसे प्रतीक्षित खेलों में से एक पहले दिन हुआ। शतरंज ओलंपियाड में भारत की जीत में शामिल दो युवा सितारे गुरुवार को फ्रेंड्स हाउस में एक-दूसरे से भिड़े।

गंगा ग्रैंडमास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन एरिगैसी और अल्पाइन एसजी पाइपर्स के लिए खेल रहे आर. प्रज्ञानानंद ने अपना खेल बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने मैच 11-6 से जीत लिया।

अन्य मैचों में, अमेरिकन गैम्बिट्स ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स को 11-6 से हराया और पीबीजी अलास्का नाइट्स ने गत विजेता त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को 15-3 से हराया। इस व्यापक जीत ने अलास्का नाइट्स को शुरुआती बढ़त हासिल करने में मदद की।

नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, शखरियार ममीदारोव और निहाल सरीन की जीत ने अलास्का नाइट्स को पाइपर्स और मुंबा मास्टर्स से आगे निकलने में मदद की।

पाइपर्स की जीत रिचर्ड रैपॉर्ट और पूर्व महिला विश्व चैंपियन होउ यिफान द्वारा सुनिश्चित की गई, क्योंकि अन्य खेल ड्रा रहे। उन ड्रा में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद के बीच का मैच भी शामिल था; दोनों दिग्गजों ने दो विश्व खिताबों के लिए एक दूसरे से मुकाबला किया था। होउ ने प्रज्ञानानंद की बड़ी बहन आर. वैशाली को हराया, जबकि रैपॉर्ट ने परम मघसूदलू को हराया। काले मोहरों के साथ उन जीतों ने उनकी टीम को चार-चार अंक दिलाए (सफेद मोहरों के साथ जीत के लिए केवल तीन अंक हैं)।

अमेरिकन गैम्बिट्स और अपग्रेड मुंबा मास्टर्स के बीच मैच का फोकस मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और हिकारू नाकामुरा के बीच के खेल पर था, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

अंगद विजाग ओपन गोल्फ में शीर्ष पर पहुंचे

विशाखापत्तनम। गोल्फर अंगद चीमा विजाग ओपन में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। अंगद ने एक करोड़ रुपये की ईनामी राशि के विजाग ओपन के दूसरे दौर में 10 अंडर 61 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला। इससे वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये। पीजीटीआई रैंकिंग में अभी चौथे स्थान पर चल रहे अंगद का दो दौर के बाद कुल स्कोर 12 अंडर 130 का है जिससे वह अभी चार शॉट की बढ़त पर हैं। इस सत्र में अभी तक छह बार शीर्ष 10 में रहे अंगद ने पहले दौर में 69 का कार्ड खेला था।

यूरोपा लीग में यूनाइटेड और पोर्टो का मुकाबला 3-3 से बराबरी पर रहा

बुडापेस्ट।
हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में जारी यूरोपा लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। वहीं इससे पहले टोटेनहम ने यूरोपा लीग के दो में से दो मैच जीत लिए थे। मार्कस रैशफोर्ड और रैसमस होजलुंड के गोलों से यूनाइटेड ने 2-0 की बढ़त हासिल की। वहीं हैरी मैगुएर ने स्टॉपेज-टाइम हैडर के जरिये पोर्टो यूनाइटेड की ओर से एक अंक बचाया। वहीं सैमू ने ब्रेक से पहले पोर्टो की ओर से बराबरी का गोल किया। ब्रूनो फर्नांडीस को दूसरा पीला कार्ड दिखाए जाने से पहले सैमू ने अपना दूसरा गोल कर पोर्टो को बढ़त दिला दी। पोर्टो जीत के करीब पहुंच गया था पर तभी मैगुएर ने क्रिश्चियन एरिक्सन के कॉर्नर पर हेडर के जरिये गोल कर यूनाइटेड को बराबरी पर ला दिया। इस मुकाबले में पहले हाफ के मध्य में ही मेहमान टीम ने बढ़त बना ली थी।

नेशंस लीग मैचों के लिए फ्रांस की टीम से बाहर हुए एमबाप्पे जांघ

पेरिस।
फ्रांस के कप्तान काइलियन एमबाप्पे को इस महीने अपनी टीम के यूईएफए नेशंस लीग मैचों से बाहर रखा गया है, कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने टीम की घोषणा की।

रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी एमबाप्पे जांघ की चोट के कारण थोड़े समय के लिए मैदान से बाहर रहे और बुधवार को चैंपियंस लीग में लिली के खिलाफ 1-0 की आश्चर्यजनक हार में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में नजर आए।

हालाँकि, 25 वर्षीय एमबाप्पे इजराइल और बेल्जियम के खिलाफ फ्रांस के खेलों में कोई भूमिका नहीं निभाएंगे, यह निर्णय स्पष्ट रूप से एमबाप्पे को आराम करने और अपनी फिटनेस पर काम करने का मौका देने के लिए लिया गया है।

आपके बताते चलें कि फ्रांस गुरुवार, 10 अक्टूबर को इजराइल से खेलेगा, जो मध्य पूर्व में सुरक्षा स्थिति के कारण बुडापेस्ट में स्थानांतरित किया गया था। 2021 में

नेशंस लीग विजेता लेस ब्लेस, इसके बाद सोमवार, 14 अक्टूबर को ब्रुसेल्स में बेल्जियम से भिड़ेंगे।

ग्रुप ए2 में अपने पहले दो मुकाबलों के बाद फ्रांस के तीन अंक हैं, जिसमें छह अंकों के साथ इटली शीर्ष पर है।

फ्रांस की टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- अल्फोंस एरियोला (वेस्ट हैम यूनाइटेड/इंग्लैंड), माइक मेगनन (एसी मिलान/आईटीए), ब्राइस सांबा (लेंस)।

डिफेंडर- जोनाथन क्लॉस (नाइस), लुकास डिग्ने (एस्टन विला/इंग्लैंड), वेस्ले फोफाना (चेल्सी/इंग्लैंड), थियो हर्नांडेज़ (एसी मिलान/आईटीए), इब्राहिमा कोनाटे (लिवरपूल/इंग्लैंड), जूल्स कोंडे (बार्सिलोना/ईएसपी), विलियम सलीबा (आर्सेनल/इंग्लैंड), डेयोट उपमेकानो (बायर्न म्यूनिख/जर्मनी)।

मिडफील्डर- एडुआर्डो कैमाविंगा (रियल मैड्रिड/ईएसपी), यूसुफ फोफाना (एसी मिलान/आईटीए), माटेओ गुएन्डौजी (लाजियो/आईटीए), मनु कोन (रोमा/आईटीए), ऑरेलियन टचौमेनी (रियल मैड्रिड/ईएसपी), वॉरेन ज़ैरे-एमरी (पेरिस सेंट-जर्मेन)।

फॉरवर्ड- ब्रैडली बारकोला, ओसमान डेम्बेले, रैंडल कोलो मुआनी (सभी पेरिस सेंट-जर्मेन), क्रिस्टोफर न्कुंकू (चेल्सी/इंग्लैंड), माइकल ओलिस (बायर्न म्यूनिख/जर्मनी), मार्कस थुरम (इंटर मिलान/इटली)।

महिला टी-20 विश्व कप : कप्तान फातिमा सना के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाक ने श्रीलंका को हराया

शारजाह।
कप्तान फातिमा सना के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने गुरुवार रात शारजाह में आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप के दूसरे मैच में श्रीलंका को 31 रन से हरा दिया।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाए और फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 85/9 पर रोक दिया। पाकिस्तानी कप्तान सना (2/10) ने श्रीलंका की सलामी बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू को आउट करके महत्वपूर्ण शुरुआती सफलता हासिल की और पाकिस्तान को जीत की राह पर ले आईं। श्रीलंका के लिए केवल सलामी बल्लेबाज विशमी गुणारत्ने (34 गेंदों पर एक चौके की मदद से 20 रन) और नीलाक्षिका सिल्वा (25 गेंदों पर 22 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। पाकिस्तान के लिए सना के अलावा सादिया इकबाल ने 17 रन देकर 3 विकेट लिए। यह एक ऐसा मैच था जिसमें गेंद का काफी दबदबा रहा, श्रीलंका के गेंदबाजों ने भी पाकिस्तान पर अंकुश लगाए रखा,

लगातार विकेट लेते हुए बल्लेबाजी लाइनअप को सीमित कर दिया, हालांकि कप्तान सना ने बल्ले से भी कमाल करते हुए 20 गेंदों पर 30 रन बनाए और शीर्ष स्कोरर रहीं। श्रीलंका के तीन गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें चमारी ने 18 रन देकर 3 विकेट झटके। मैच में पाकिस्तान की नई कप्तान फातिमा सना ने शारजाह में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाजों को दबाव में रखा।

सुगंधिका कुमारी ने दोनों सलामी बल्लेबाजों गुल फिरोजा (4 गेंदों में 2 रन) और मुनीबा अली (14 गेंदों में 11 रन) को पावरप्ले में चलता किया। इसके बाद चमारी ने सिदरा अमीन (10 गेंदों में 12 रन) को और कविशा दिलहारी और उदेशिका प्रबोधनी ने क्रमशः ओमाइमा सोहेल (19 गेंदों में 18 रन) और निदा डार (22 गेंदों में 23 रन) को आउट कर पाकिस्तान के मध्यक्रम को तोड़ दिया।

इसके बाद कप्तान फातिमा ने आलिया रियाज को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजा, जिससे उनकी स्थिति फिनिशर के रूप में सामने आई। वे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करती हैं, लेकिन इस मैच में सातवें नंबर पर आईं। लेकिन चमारी ने लगातार गेंदों पर तुबा हसन और रियाज को आउट कर पाकिस्तान को परेशानी में डाल दिया। इसके बाद कप्तान सना ने सिर्फ़ 20 गेंदों पर 30 रन बनाए, जिसकी बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 116 रन का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 85 रन ही बना सकी। श्रीलंका के लिए विशमी गुणारत्ने (20) और नीलाक्षिका सिल्वा (22 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई तक नहीं पहुंच सका।

शंघाई मास्टर्स : बोपन्ना-डोडिग की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंची

शंघाई। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके क्रोएशियाई साथी इवान डोडिग ने एटीपी शंघाई मास्टर्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। बोपन्ना और डोडिग की जोड़ी ने शुक्रवार को यहां पाब्लो कैरेनो बुस्टा और पेड्रो मार्टिनेज पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडो-क्रोएशियाई जोड़ी ने 63 मिनट तक चले शुरुआती दौर के मैच में 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और डोडिग ने आठ ब्रेक प्वाइंट में से तीन को भुनाया। उन्होंने अपने सर्विस गेम में चार ब्रेक मौके भी बचाए और मैच में केवल एक बार सर्विस गंवाई। सुमित नागल और रामकुमार रामनाथन दोनों के पहले दौर में बाहर होने से भारत की एकल चुनौती पहले ही समाप्त हो चुकी है। रामकुमार ने क्वालीफाइंग राउंड के माध्यम से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी जबकि नागल को सीधे प्रवेश मिला था।

एक फ्रेशर अगर चाहे तो किसी भी स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं या किसी अस्पताल में बतौर असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर कैरियर शुरू कर सकता है। इसके अलावा उसके पास कई क्षेत्रों में मैनेजर बनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं।

चिकित्सा से जुड़ा एक

सुनहरा कैरियर हॉस्पिटल मैनेजमेंट

अनिवार्य योग्यता

हॉस्पिटल मैनेजमेंट में स्नातक डिग्री पाने के लिए 12वीं में बायोलॉजी में कम से कम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अगर कोई चाहे तो स्नातक डिग्री पाने के बाद हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एमबीए या स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा कोर्स भी कर सकता है। स्नातकोत्तर कोर्सेस करने के लिए योग्यता संस्थान के अनुसार भिन्न हो सकती है। इस क्षेत्र में मुख्यत: प्रोफेशनल कोर्स बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉस्पिटल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और एमडी या एम फिल इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन उपलब्ध हैं। इन सबके अलावा करीबन 70 मान्यता प्राप्त प्रोग्राम इस क्षेत्र में उपलब्ध हैं।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट प्रबंधन का एक ऐसा क्षेत्र है, जो कैरियर के कई रास्ते खोलता है। अगर आप भी प्रबंधन के क्षेत्र में ऐसे कैरियर विकल्प की तलाश कर रहे हैं, जिसमें आपके लिए अवसरों की कमी न हो तो हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कैरियर आपके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट?

अमेरिका में हुए सर्वे के अनुसार हॉस्पिटल मैनेजमेंट दस शीर्ष कैरियर में शामिल है, जो स्वास्थ्य सेवाओं के आपूर्तिकर्ता व मांगने वालों के बीच सीधा संबंध स्थापित करता है। अस्पताल प्रबंधक अस्पताल के प्रबंधन में सुधार, बाहरी रोगियों की चिकित्सा आदि का प्रबंधन करते हैं। वे अपने सहायकों की टीम द्वारा प्रशासकीय कार्यों जैसे योजना समन्वयन व हॉस्पिटल के भीतर स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।

कैसे होता है चयन?

हॉस्पिटल प्रबंधन में हॉस्पिटल प्रबंधन स्नातक (बीएचए) में प्रवेश मुख्यत: 12वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर ही होता है। इसके अलावा ग्रुप डिस्कशन तथा इंटरव्यू के आधार पर भी चयन किया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- अ.भा. आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- डेल्ही पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- अपोलो इंस्टीटयूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुम्बई

कितने साल का होता है कोर्स?

बीबीएम तथा बीएचए का कोर्स जहां 3 साल का होता है, वहीं एमबीए तथा हॉस्पिटल प्रबंधन में मास्टर्स (एमएचए) करने के लिए दो साल की अवधि निर्धारित है, जो चार छमाही में बंटा होता है। हॉस्पिटल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रोफेशनल प्रोगाम 11 माह का होता है तथा ईएमबीए, पीजीडीएचएम तथा एडीएचएम जैसे कोर्सेस करने के लिए एक साल की अवधि सुनिश्चित है।

यहा मिलेंगे अवसर

सरकारी अस्पताल तथा प्राइवेट अस्पताल दोनों अस्पताल प्रबंधकों की नियुक्ति करते हैं। एक फ्रेशर अगर चाहे तो किसी भी स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं या किसी अस्पताल में बतौर असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर कैरियर शुरू कर सकता है। इसके अलावा उसके पास कई क्षेत्रों में मैनेजर बनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं। अनुभवी व सीनियर हॉस्पिटल प्रबंधक सीईओ के पद पर भी पहुंच सकते हैं।

बनें कानूनी जानकार लॉ इंटर्नशिप

लॉ का क्षेत्र आज भी काफी डिमांडिंग बना हुआ है। आज लॉ ग्रेजुएशन के बाद कैरियर के कई नए ऑप्शंस सामने आए हैं। पारंपरिक तौर पर कोर्ट और वकालत का क्षेत्र तो है ही, इसके अलावा तमाम कंपनियां अपने यहां लीगल ऑफिसेस भी खोलती हैं। इनमें टैक्सेशन, सेल टैक्स आदि मामलों को देखने के लिए लॉ ग्रेजुएट्स को रखा जाता है।

योग्यता

किसी भी मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट या संस्थान से लॉ का कोर्स कर रहे विद्यार्थी इसे कर सकते हैं। कोर्स के अंतिम वर्ष में इसकी इंटर्नशिप या ट्रेनिंग करनी होती है, जिसके अंक विद्यार्थियों के फाइनल एग्जाम में जोड़े जाते हैं।

अवसर

प्राइवेट या सरकारी बैंक सिर्फ मैनेजर, अकाउंटेंट या क्लर्क ही नहीं, अपने यहां लॉ ऑफिसर भी नियुक्त करते हैं। इसी तरह टैक्सेशन से जुड़ी कंपनियां अपने यहां लॉ के विशेषज्ञों को रख रही हैं। एमएनसी में मैनेजमेंट की टीम में एक लॉ एक्सपर्ट को भी मैनेजर के रूप में रखा जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों और बैंकों के प्रसार के कारण लॉ ग्रेजुएट्स को नौकरी के ढेरों अवसर हैं।

वेतन

लॉ में इंटर्नशिप सिर्फ लॉ के विद्यार्थी ही करते हैं और इसमें आमतौर पर किसी तरह का कोई वेतन नहीं दिया जाता। हां, कई ऐसे सीनियर वकील होते हैं, जो अपनी इच्छा अनुसार कुछ स्टाइपेंड जरूर देते हैं।

कहां से करें इंटर्नशिप?

अक्सर स्टूडेंट्स सोचते हैं कि लॉ इंटर्नशिप के लिए गवर्नमेंट इंस्टीटयूट ही बेहतर हैं, लेकिन देश में बहुत सारे प्राइवेट लॉ डिपार्टमेंट और कंपनियां भी हैं, जहां क्वालिटी एजुकेशन के साथ ही कैंपस प्लेसमेंट होती है। विद्यार्थी कॉरपोरेट लॉयर, लीगल एडवाइजर, साइबर लॉ एक्सपर्ट, टीचिंग, लीगल रिपोर्टिंग, बैंक में लॉ ऑफिसर, प्रॉसिक्यूटर, जज आदि के अंतर्गत भी इंटर्नशिप कर सकते हैं।

झटपट से बनाएं उसल पोहा ब्रेकफास्ट में खाना रहेगा बेस्ट

विधि

लाइट होने के साथ ही टेस्टी पोहा नाश्ते के वक्त खाना सही रहता है। लो कैलोरी और लो फैट होने के साथ ही ये कई सारी सब्जियों से मिलकर बना होता है जो हेल्दी रखने में बहुत ही कारगर है। जानते हैं इसे बनाने की विधि।

सामग्री

2 कप पोहा, 2 चम्मच शक्कर, 1 कप उबले सफेद मटर, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर और 2 चम्मच नींबू का रस, 8-10 कढ़ी पत्ते व 2 बारीक कटी हरी मिच, 1/4 चम्मच जीरा, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1/4 चम्मच जीरा पाउडर, 1/4 चम्मच काला नमक।

पोहा छानकर धो लें। कुछ देर के लिए सूखने दें। शक्कर, स्वादानुसार नमक, हल्दी पाउडर और नींबू का रस पोहे पर डालकर उसे एकसार करें। कड़ाही में तेल गर्मकरें। उसमें राई, कढ़ी पत्ते व बारीक कटी हरी मिर्च डालकर भूनें। इसमें मसाले वाला पोहा मिलाएं। अच्छी तरह एकसार करें और कटा हरा धनिया डालकर आंच बंद कर दें। इसे ढंककर अलग रख दें। अब मुट्ठीभर हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक का टुकड़ा और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। उसल बनाने के लिए कड़ाही में तेल गर्म करें। जीरा तड़काएं। पहले से तैयार पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, काला नमक डालें और 1-2 मिनट के लिए भूनें। अब उबले सफ़ेद मटर (रातभर पानी में भिगोए हुए) डालें। 1 कप पानी मिलाएं और पांच मिनट के लिए पकने दें। परोसने के लिए एक प्लेट में पहले पोहा सजाएं। इस पर तैयार उसल फैलाएं। बारीक कटा प्याज़ व टमाटर सजाएं। रतलामी सेव फैलाएं। चाट मसाला व नींबू का रस ऊपर से डालें और तुरंत खाएं।

बालों की हर समस्याएं रहती दूर

कभी स्टाइल के लिए तो कभी बुढ़ापा छिपाने के लिए बालों को कलर करने का फैशन चलन में है। गोल्डन, रेज, डार्क ब्राउन, पर्पल और कई तरह के रंगों के चॉक भी मिलने लगे हैं, जिन्हें अपनी ड्रेस से मैच कर पार्टी में स्टाइलिश नजर आ सकते हैं। फैशन में चार चांद लगाने वाले इन कलर्स के जितने फायदे हैं, उतने ही नुकसान भी। बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने पर बालों की ग्रोथ के साथ ही उनकी क्वालिटी पर भी फर्क पड़ता है। बालों के गिरने और रूसी की समस्या के लिए हम मौसम और खान-पान को दोषी ठहराते हैं, जबकि इसकी एक वजह कलरिंग भी होती है। कई तरह के नुकसानों से बचाने के लिए बालों की नेचुरल कलरिंग के कुछ तरीकों बारे में जानेंगे।

मेहंदी : मेहंदी लगाना बालों की कलरिंग करने का ही एक अच्छा और बेहतरीन ऑप्शन है। मेहंदी से न सिर्फ बालों की कंडीशनिंग हो जाती है, बल्कि इससे बाल ज्यादा घने, लंबे और मजबूत होते हैं।

नींबू : बालों की कलरिंग के लिए नींबू का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। हालांकि, नींबू का असर कुछ देर से होता है, लेकिन यह बहुत ही कारगर होता है। नींबू नेचुरल ब्लीच माना गया है। यह कई तरह से फायदेमंद होता है। बालों में चमक लाने के साथ ही यह उन्हें मजबूत भी बनाता है। सबसे अच्छी चीज है कि यह बालों को धूप, धूल और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

ब्लड चैकअप से बॉडी बनेगी हेल्दी

ब्लड शरीर के लिए सबसे अहम है। यह शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन कैरी करता है। यह हमारे शरीर के हेल्थ की विंडो की तरह होता है। इसलिए इसका खास ख्याल रखना बहुत ही जरूरी है, ताकि हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो किया जा सके।

ब्लड प्रेशर

सामान्य रेंज: एक सामान्य व्यक्ति का डायस्टॉलिक प्रेशर 60/90 के बीच होना चाहिए और सिस्टॉलिक प्रेशर 90/110 के बीच होना चाहिए। इसे हमेशा मेंटेन करें।

क्यों जरूरी है

ज्यादा ब्लड प्रेशर आर्टरीज और वेन्स को डैमेज कर देता है। यही नहीं, यह किडनी जैसे ब्लड प्रोसेसिंग ऑर्गन्स के लिए भी खतरनाक है। हाई सिस्टॉलिक ब्लड प्रेशर हाइपरटेंशन में भी बदल सकता है, जो हेल्थ के लिए बहुत ही खतरनाक होता है।

क्या करें

साल में करीब चार बार ब्लड प्रेशर चेक कराएं। इसका रिकॉर्ड मेंटेन करें, जिसमें डेट के साथ रीडिंग भी नोट करें। यदि आपके प्रेशर में 10 प्वाइंट से ज्यादा वेरिएशन लगातार आता है तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

हार्ट रेट

सामान्य रेंज: एक सामान्य व्यक्ति की हार्टबीट 60 से 90 प्रति मिनट (बीपीएम) होनी चाहिए। अगर आप एथलीट हैं तो यह थोड़ी कम भी हो सकती है।

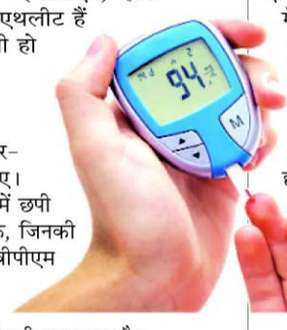

क्यों जरूरी है

इसमें बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होना चाहिए। अमेरिकन हार्ट जर्नल में छपी एक स्टडी के मुताबिक, जिनकी रेस्टिंग हार्टरेट में 15 बीपीएम की बढ़ोत्तरी होती है, उन्हें हार्ट की बीमारी होने का खतरा 24 फीसदी बढ़ जाता है।

क्या करें

सुबह उठने के बाद अपनी पल्स की रीडिंग लें। इसे कई महीनों तक अच्छे से मॉनिटर करें। रोजाना एक्सरसाइज करके अपनी रेस्टिंग पल्स को मेंटेन किया जा सकता है।

ब्लड शुगर

सामान्य रेंज: फास्टिंग ब्लड शुगर 100 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। इसका मेंटेन रहना बेहद जरूरी है।

क्यों जरूरी है

आपके ब्लड शुगर लेवल से ही पता चलता है कि आपको डायबिटीज है या नहीं। यह कई बार बेहद गंभीर स्थिति में होता है और मरीजों को इसका पता भी नहीं होता, जो बाद में बाकी ऑर्गन्स की डैमेजिंग के लिए जिम्मेदार होता है।

क्या करें

कुछ महीने पर अपना ब्लड शुगर टेस्ट करवाते रहें। यदि 110 से कम फास्टिंग शुगर आ रही है तो बेहतर है, लेकिन यदि इससे ज्यादा आ रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। प्रीडायबिटिक कंडीशन में भी डॉक्टर से सलाह कर आप अपनी सेहत में काफी सुधार कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल

सामान्य रेंज: एलडीएल 100 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम होना चाहिए और एचडीएल 40 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से ज्यादा होना चाहिए। नॉन एचडीएल 130 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम होना चाहिए।

क्यों जरूरी है

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में छपी एक स्टडी के मुताबिक, नॉन एचडीएल कोलेस्ट्रॉल में हर 43 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर की बढ़ोत्तरी दिल की बीमारियों का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ा देती है।

क्या करें

कोलेस्ट्रॉल लेवल को लेकर जागरूक हैं तो साल में एक बार अपना लिपिड टेस्ट जरूर कराएं। अपनी डाइट में तेल और फैट से भरपूर खाना लेना कम करें। इनके स्थान पर हरी सब्जियों और फलों को प्राथमिकता दें।

जब कान में जाए तो करें ये...

भाप लें : कानों में पानी जाने पर सबसे पहले उसकी ऑडिटरी ट्यूब बंद हो जाती है, जिससे सुनने की क्षमता पर असर पड़ता है। इस ट्यूब को खोलने के लिए स्टीम लेना बहुत ही कारगर तरीका है।

उपाय : बाउल में पानी गर्म करें। बाउल के ऊपर सिर को इस प्रकार रखें कि भाप चेहरे और कानों तक पहुंचे। सिर को टावल से ढंक लें जिससे भाप बाहर न निकले। 10-15 मिनट तक अच्छे से स्टीम लें। स्टीम से कानों के अंदर का पानी सूख जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**